



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 207]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 19, 2003/अग्रहायण 28, 1925

No. 207]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 19, 2003/AGRAHAYANA 28, 1925

इंडियन बैंक

अधिसूचना

चेन्नई, 9 दिसम्बर, 2003

इंडियन बैंक सामान्य (संशोधन) विनियम, 2003

बीएस/एलकेएन/781/2003-04.— बैंकिंग कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1970/1980 (1970 का 5)/(1980 का 4) की धारा 19 की उपधारा (2) में प्रत्यायोजित शक्तियों का उपयोग करते हुए इंडियन बैंक का निदेशक मंडल भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् और केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमति के अनुसार इंडियन बैंक सामान्य विनियम, 1999 को पुनः संशोधित करने के लिए एकद्वारा निम्नलिखित संशोधन कर रहा है, यथा :

अध्याय-I

परिचय

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —

- (i) इन विनियमों को इंडियन बैंक सामान्य (संशोधन) विनियम, 2003 कहा जाएगा।
- (ii) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- (iii) इंडियन बैंक सामान्य विनियम, 1999 को इंडियन बैंक (शेयर तथा बँठकें) विनियम, 1999 के रूप में नया नाम दिया जाएगा।

2. परिभाषाएं — इन विनियमों में जब तक कि विषय या संदर्भ या उसके निहितार्थ से अन्यथा विपरीत न हों

- (क) "अधिनियम" से बैंकिंग कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1970/1980 (1970 का 5)/(1980 का 4) अभिप्रेत है।
- (ख) "बैंक" से अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत गठित इंडियन बैंक अभिप्रेत है।
- (ग) "बोर्ड" से अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत गठित निदेशक मंडल अभिप्रेत है।
- (घ) "अध्यक्ष" से बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है।
- (ङ) "समिति" से विनियम "2अ" के अन्तर्गत गठित समिति अभिप्रेत है।
- (च) "कार्यपालक निदेशक" से पूर्णकालिक निदेशक अभिप्रेत है, जो प्रबन्ध निदेशक न हो।

- (छ) "महा प्रबंधक" से बैंक का महा प्रबंधक अभिप्रेत है ।
- (ज) "प्रबंधन समिति" से योजना के उपबंध 13 के अन्तर्गत गठित समिति अभिप्रेत है।
- (झ) "प्रबंध निदेशक" से बैंक का प्रबंध निदेशक अभिप्रेत है ।
- (ञ) "रजिस्टर" से शेयरधारकों का रजिस्टर जिसमें बैंक की एक या एक से अधिक बहियां हों, अभिप्रेत है और इसमें अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2 जी) के अन्तर्गत शेयरधारकों का कम्प्यूटर फ़्लोपी एवं डिस्कट्स के रूप में रखा गया रजिस्टर तथा निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) की धारा 11 के अंतर्गत हितकारी स्वामियों का बनाया गया रजिस्टर और निक्षेपागार भी शामिल होगा ।
- (ट) "रजिस्ट्रार" से निम्नलिखित कार्यों के लिए बैंक द्वारा नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है -
- (i) इश्यू से संबंधित आवेदन निवेशकों से प्राप्त करना ।
 - (ii) आवेदनों का विधिवत् रिकार्ड रखना, निवेशकों से प्राप्त धन और प्रतिभूतियों के विक्रेता को प्रदत्त धन का विधिवत् रिकार्ड रखना ; और
 - (iii) निम्नलिखित कार्यों में बैंक की सहायता करना —
 - (क) स्टॉक एक्सचेंज से परामर्श करके प्रतिभूतियों के आबंटन का आधार निर्धारित करना ।
 - (ख) प्रतिभूतियों के आबंटन के लिए पात्र व्यक्तियों की सूची को अन्तिम रूप देना ।
 - (ग) इश्यू से संबंधित आबंटन पत्रों, धन वापसी आदेशों या प्रमाणपत्रों और अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच करना और भेजना ।
 - (iv) बैंक द्वारा समय-समय पर निर्धारित इसी प्रकार के अन्य कार्य ।
- (ठ) "योजना" से राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन और विविध प्रावधान) योजना 1970 अभिप्रेत है ।
- (ड) "शेयर" से बैंक की शेयर पूँजी में शेयर अभिप्रेत है ।
- (ढ) "शेयर अन्तरण एजेंट" में निम्नलिखित शामिल हैं :—
- (i) कोई व्यक्ति जो बैंक की ओर से बैंक द्वारा जारी प्रतिभूतियों के धारकों का रिकार्ड रखता हो और इसकी प्रतिभूतियों के अन्तरण और मोचन से संबंधित सभी मामलों पर कार्य करता हो, अथवा
 - (ii) उपबंध (1) में उल्लिखित गतिविधियों को निष्पादित करने वाला बैंक का कोई विभाग या प्रभाग (चाहे इसे जिस किसी भी नाम से जाना जाए)

(ग) अध्याय III में प्रयुक्त होनेवाली शब्दावली और अभिव्यक्तियों, जिन्हें इन विनियमों में परिभाषित नहीं किया गया है, किन्तु जिन्हें निक्षेपागार अधिनियम 1996 (1996 का अधिनियम 22) में परिभाषित किया गया है। उनमें उपर्युक्त अधिनियम में दर्शाए गए सम्बद्ध अर्थ का समावेश होगा।

(त) प्रयुक्त होनेवाली अन्य अभिव्यक्तियों, जिन्हें इन विनियमों में परिभाषित नहीं किया गया है, किन्तु अधिनियम या योजना में प्रयुक्त किया गया है, उनमें अधिनियम या योजना में निर्धारित सम्बद्ध अर्थों का समावेश होगा।

2अ (i) विनियम 59 की धारा (ii) में जैसा उपबंधित है, उसके सिवाय बोर्ड आवश्यक होने पर इन विनियमों के उद्देश्य से, जैसा वह उचित समझे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक तथा दो अन्य निदेशकों वाली एक समिति का गठन कर सकता है।

(ii) इस विनियम के अंतर्गत गठित की गई समिति बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जाने वाली प्रक्रिया के ऐसे नियमों का अनुपालन करेगी।

अध्याय II

शेयर और शेयर रजिस्टर

3. शेयरों का स्वरूप

इंडियन बैंक के शेयर, इन विनियमों में उल्लिखित प्रावधानों के अनुरूप चल सम्पत्ति एवं अन्तरणीय होंगे।

4. शेयर पूंजी के प्रकार

(i) अधिमानी शेयर पूंजी से आशय इंडियन बैंक की शेयर पूंजी के उस भाग से है, जो कि निम्न दोनों शर्तों को पूरा करती हो -

(क) जहां तक लाभांश का प्रश्न है, इसमें निर्धारित दर से गिने गये या निर्धारित राशि का भुगतान करने के अधिमानी अधिकार होते हैं जो कि या तो आयकर से मुक्त हो सकते हैं या उसके अधीन हो सकते हैं।

(ख) जहां तक पूंजी का प्रश्न है, परिसमापन पर पूंजी के पुनर्भुगतान के लिए प्रदत्त अथवा प्रदत्त मानी जाने वाली पूंजी को चुकाने के संबंध में अधिमानी का अधिकार प्राप्त है / होगा, चाहे निम्न में से एक या दोनों को चुकाने के संबंध में अधिमानी अधिकार प्राप्त है अथवा नहीं, यथा -

(अ) उपबंध (क) में उल्लिखित राशि से सम्बन्धित परिसमापन की तारीख या पूंजी पुनर्भुगतान की तारीख तक बकाया अप्रयुक्त कोई भी राशि ।

(आ) केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमति से बोर्ड द्वारा निर्धारित कोई भी निश्चित प्रीमियम या किसी निश्चित मान में प्रीमियम ।

(ii) "इक्विटी शेयर पूंजी" का अभिप्राय सभी शेयर पूंजी से है जो कि अधिमान्य शेयर पूंजी नहीं है ।

(iii) "अधिमान्य शेयर" और "इक्विटी शेयर" अभिव्यक्तियों का अर्थ तदनुरूप लिया जाए ।

5. रजिस्टर में दर्ज किए जाने वाले विवरण

(i) अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2 (एफ) के अनुरूप शेयर रजिस्टर बनाकर उसका रखरखाव किया जाएगा और उसे अद्यतन किया जाएगा।

(ii) अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2 (एफ) में उल्लिखित विवरणों के अतिरिक्त मण्डल द्वारा निर्धारित अन्य विवरणों को रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा ।

(iii) किसी शेयर की संयुक्त धारिता के मामले में, उप विनियम (i) के अनुरूप उनके नामों और अन्य विवरणों को इस प्रकार की संयुक्त धारिता के पहले नाम के तहत सामूहिक रूप में लिखा जाएगा ।

(iv) अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2 (डी) के प्रावधानों के अनुरूप, भारत से बाहर रहनेवाले शेयर धारक को भारत में अपने पते की सूचना बैंक को देनी होती है और इस पते को रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा और अधिनियमों और इसके विनियमों के लिए इस पते को उसका पंजीकृत पता माना जाएगा ।

5अ (i) जब तक रजिस्टर ऐसे रूप में नहीं होता है, जैसे कि वह स्वयं में एक अनुक्रमणिका नहीं बनता है, बैंक एक अनुक्रमणिका रखेगा जो शेयर धारकों के नामों के सूचक कार्ड के रूप में होगा और बैंक शेयरधारकों के रजिस्टर में किए गए किसी भी तरह के परिवर्तन की तारीख के बाद 14 दिनों के अंदर अनुक्रमणिका में आवश्यक परिवर्तन करेगा ।

(ii) अनुक्रमणिका को शेयर धारकों के रजिस्टर के साथ रखा जाएगा ।

6. शेयरों और रजिस्ट्रों पर नियन्त्रण

अधिनियम और इसके विनियमों के प्रावधानों और समय-समय पर बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप इंडियन बैंक के प्रधान कार्यालय में रजिस्टर रखा जायेगा और वहीं उसका रखरखाव किया जाएगा और इसे बोर्ड नियंत्रण में रखा जाएगा और शेयर की शेयर धारिता के रूप में पंजीकृत की पात्रता से सम्बन्धित बोर्ड का निर्णय अन्तिम माना जाएगा ।

7. वे पार्टियों जो शेयर धारकों के रूप में पंजीकृत नहीं हो सकती हैं

- (i) जब तक इन विनियमों में अन्यथा उल्लिखित न हो, वे सभी व्यक्ति जो संविदा करने के पात्र न हों, शेयर धारक के रूप में पंजीकृत होने के पात्र नहीं हैं और इस संबंध में बोर्ड का निर्णय सब पर लागू होगा और अन्तिम होगा।
- (ii) भागीदारी के मामले में, शेयर वैयक्तिक भागीदार के नाम से दर्ज होने चाहिए और उसी हैसियत से कोई भी फर्म शेयर धारक के रूप में दर्ज होने की पात्र नहीं है।

8. कम्प्यूटर पद्धति आदि में शेयर-रजिस्टर का रखरखाव

- (i) अधिनियम की धारा 3 की उप धारा 2 (एफ) के अन्तर्गत शेयर रजिस्टर में दर्ज किए जाने वाले आवश्यक विवरण जिन्हें विनियम 5 में उल्लिखित के साथ पढ़ा जाए, अधिनियम की धारा 3 की उप धारा 2 (जी) के अनुसार प्रधान कार्यालय में रखे जानेवाले कम्प्यूटरों या चुम्बकीय/ऑप्टिकल/मेग्नेटो-ऑप्टिकल मीडिया में डिस्कट्स, फ्लॉपी, काट्रिज या अन्य प्रकार से (इसके बाद मीडिया कहा जाएगा) डाटा के रूप में रखे जाएँ और इनका बैक-अप समय-समय पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा या अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा इस कार्य के लिए महा प्रबंधक स्तर के पदनामित अधिकारी (जिसे इसमें बाद में "पदनामित अधिकारी" कहा जाएगा) द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार लिया जाए।
- (ii) निस्तेपागार अधिनियम 1996 की धारा (11) के साथ पठित अधिनियम की धारा 3(बी) के अंतर्गत शेयर रजिस्टर में दर्ज किए जाने वाले आवश्यक विवरण इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में उसमें उल्लिखित पद्धति से रखे जाएँगे।
- (iii) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (2000 का 21) के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्डों को सुरक्षित रखने के लिए बताए गए सुरक्षोपायों के अधीन इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में रजिस्टर का रखरखाव किया जाएगा।

9. कम्प्यूटर पद्धति की सुरक्षा के लिए उपाय

- (i) विनियम 8(1) में उल्लिखित जिस पद्धति में ऑकड़े संग्रहीत किए गए हैं, वहाँ तक पहुँच, इश्यू के रजिस्ट्रार सहित ऐसे व्यक्तियों और / या शेयर अंतरित करने वाले एजेंटों तक सीमित रहेगी, जिन्हें इसके लिए अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक अथवा पदनामित अधिकारी द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा और यदि कोई संकेत शब्द (पासवर्ड) हो तो उसे तथा इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण प्रणालियों को उपर्युक्त व्यक्तियों की अभिरक्षा में गोपनीय रखा जाएगा।
- (ii) प्राधिकृत व्यक्ति की पहुँच को कम्प्यूटर सिस्टम के माध्यम से पुस्तिका में दर्ज किया जाएगा और इस पुस्तिका को अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक या पदनामित अधिकारी द्वारा इस उद्देश्य के लिए पदनामित अधिकारियों / व्यक्तियों के पास सुरक्षित रखा जाएगा।

- (iii) अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक या पदनामित अधिकारी द्वारा निर्धारित नियमित अंतराल पर शेयर धारक के रजिस्टर में परिवर्तन करते हुए अंतरणीय माध्यम पर बैंक-अप की प्रतियां ली जाएंगी। इनमें से कम से कम एक प्रति उस परिसर के सिवाय अन्य जगह रखी जाएगी, जहां पर प्रोसेसिंग का कार्य होता है। यह प्रति अग्निरोधी सुरक्षित कमरे में रखी जाएगी, जहां ताले की व्यवस्था हो और उपयुक्त तापमान हो। इन दोनों जगहों पर पहुंच को अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक या पदनामित अधिकारी द्वारा प्राधिकृत व्यक्तियों तक ही सीमित रखा जाएगा। ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति उस जगह पर रखे गए मैनुअल रजिस्टर में अपनी पहुंच दर्ज करेंगे।
- (iv) प्राधिकृत व्यक्तियों का यह दायित्व होगा कि वे आंकड़ों की सत्यता के लिए बैंक-अप के आंकड़ों का मिलान उपयुक्त साफ्टवेयर का उपयोग करके कम्प्यूटर सिस्टम के आंकड़ों से करें। इस परिचालन के परिणाम को इस उद्देश्य के लिए रखे रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।
- (v) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के लिए यह उपयुक्त होगा कि वे तकनीकी विकास को ध्यान में रखते हुए और / या स्थितियों की आवश्यकताओं के कारण या अन्य किसी कारणों से कम्प्यूटर सिस्टम में शेयर धारकों के रजिस्टर को रखे जाने की गोपनीयता का अनुपालन करने की दृष्टि से विशिष्ट या सामान्य आदेश द्वारा इस संबंध में जारी अनुदेशों को संशोधित करें या उनमें और अनुदेश शामिल करें।

10. संयुक्त धारकों के अधिकारों का उपयोग

यदि कोई शेयर दो या अधिक व्यक्तियों के नाम पर है तब रजिस्टर में जिसका नाम प्रथम है उस व्यक्ति को शेयर के अंतरण को छोड़कर मतदान, लाभांश प्राप्त करने, नोटिस भेजे जाने और सभी या बैंक से संबंधित अन्य मामलों में उसका एकल धारक समझा जाएगा।

11. रजिस्टर का निरीक्षण

- (i) जहां रजिस्टर रखा जाता है वहां विनियम 12 के तहत उसे बंद किए जाने के मामले को छोड़कर अन्य स्थिति में कारोबार के घंटों के दौरान किसी भी शेयर धारक द्वारा निःशुल्क निरीक्षण हेतु खुला रहेगा, परंतु बोर्ड उचित प्रतिबंध लगा सकता है फिर भी प्रत्येक कार्य दिवस में कम से कम दो घंटे तक के समय हेतु निरीक्षण की अनुमति दी जाएगी।
- (ii) कोई भी शेयरधारक रजिस्टर की किसी प्रविष्टि का सारांश या कम्प्यूटर प्रिंट निःशुल्क ले सकता है या यदि वह रजिस्टर की प्रति चाहे या कम्प्यूटर प्रिंट अथवा उसका कोई भाग चाहे तो आवश्यक प्रति हेतु प्रत्येक 1000 शब्द या उसके भाग के लिए रु.5/- की दर से राशि का पूर्व भुगतान करने पर उन्हें यह दिया जाएगा।
- (iii) ऊपर विनियम (II) में जो कुछ कहा गया है उससे असम्बद्ध रहते हुए सरकार के किसी भी विधिवत् प्राधिकृत अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह रजिस्टर की किसी भी प्रविष्टि की प्रति लें या रजिस्टर की प्रति या उसका कोई भाग उसे प्रस्तुत किया जाए।

12. रजिस्टर बंद करना

बैंक जब अपनी राय में यह आवश्यक समझे तब लागू विधा-निर्देशों और स्टॉक एक्सचेंजों के साथ हुए सूचीकरण करार का अनुपालन सुनिश्चित कर लेने के बाद तथा भारत में प्रसारित न्यूनतम दो समाचार पत्रों में कम से कम सात दिनों की पूर्व सूचना देकर, शेयरधारकों के रजिस्टर को किसी भी अवधि या अवधियों के लिए, जो प्रत्येक वर्ष कुल 45 दिनों से अधिक न हो, बन्द कर सकता है, किन्तु यह अवधि किसी एक समय पर तीस दिनों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

13. शेयर प्रमाणपत्र

(i) प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र पर, शेयर प्रमाणपत्र संख्या, विभेदक संख्या, जितने शेयरों हेतु प्रमाणपत्र जारी किया गया है, वह संख्या तथा जिसे यह जारी किया जाता है उस शेयरधारक का नाम, बोर्ड द्वारा निर्धारित रूप में होंगे।

(ii) प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र बोर्ड के संकल्प के अनुसरण में सामान्य सील के तहत जारी किया जायेगा और उस पर दो निदेशकों तथा अन्य अधिकारी जो स्केल II से नीचे का न हो अथवा इस प्रयोजन से बोर्ड द्वारा नियुक्त किए गए कंपनी सचिव के हस्ताक्षर होंगे।

परंतु निदेशकों के हस्ताक्षर मुद्रित, अंकित, लिथोग्राफित होंगे या उसकी छाप होगी या बोर्ड द्वारा इस दृष्टि से दिये गये निदेशानुसार अन्य यांत्रिक प्रक्रिया से अंकित किये हुए हो सकते हैं।

(iii) इस प्रकार मुद्रित, अंकित, लिथोग्राफित या अन्य ढंग से अंकित हस्ताक्षर उसी प्रकार वैध होंगे जैसे कि हस्ताक्षरी ने उचित ढंग से अपने हाथ से हस्ताक्षर किये हों।

(iv) कोई भी शेयर प्रमाणपत्र तब तक वैध नहीं होगा जब तक उस पर इस प्रकार से हस्ताक्षर न किये गये हों। इस प्रकार हस्ताक्षरित शेयर प्रमाणपत्र वैध होंगे और उसी प्रकार इस बात से असम्बद्ध रहते हुए बाध्यकारी होंगे कि उनको जारी किये जाने से पहले कोई भी व्यक्ति जिसके हस्ताक्षर उन पर हों, वह बैंक की ओर से शेयर प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने हेतु प्राधिकृत व्यक्ति नहीं रह गया हो।

14 शेयर प्रमाणपत्र जारी करना

(i) किसी शेयर धारक को शेयर प्रमाणपत्र जारी करते समय बोर्ड के लिए यह उपयुक्त होगा कि वह शेयर धारक के नाम से किसी एक अवसर पर दर्ज प्रत्येक 100 शेयर अथवा इनके गुणकों के लिए प्रमाणपत्र जारी करे तथा इससे अधिक शेयरों की संख्या, लेकिन जो सौ से कम हो, के लिए एक अतिरिक्त शेयर प्रमाणपत्र जारी करे।

- (ii) यदि दर्ज किये जाने वाले शेयरों की संख्या 100 से कम है तो सभी शेयरों के लिए एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।
- (iii) यदि कई व्यक्तियों द्वारा एक अथवा अधिक शेयर संयुक्त रूप में रखे गये हैं तो बैंक एक से अधिक शेयर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए बाध्य नहीं होगा तथा एक शेयर के लिए एक प्रमाणपत्र की डिलीवरी कई संयुक्त शेयर धारकों में से किसी एक को पर्याप्त होगी।

15 नया अथवा अनुकृति (डुप्लीकेट) शेयर प्रमाणपत्र जारी किया जाना

- (i) यदि कोई शेयर प्रमाणपत्र कट-फट गया हो अथवा खराब हो गया हो तो बोर्ड अथवा बोर्ड के द्वारा गठित समिति इस प्रकार के प्रमाणपत्र प्रस्तुत किये जाने पर उसे रद्द करने का आदेश दे सकती है तथा उसके एवज में नया प्रमाणपत्र जारी कर सकती है।
- (ii) यदि कथित रूप से कोई शेयर प्रमाणपत्र खो गया हो अथवा नष्ट हो गया हो तो बोर्ड अथवा इसके द्वारा गठित समिति ऐसी क्षतिपूर्ति के लिये जमानत सहित अथवा जमानत के बिना, जैसा कि वे उचित समझें तथा दो समाचारपत्रों में उक्त सूचना के प्रकाशन एवं इंडियन बैंक को उसकी लागत, प्रभार एवं व्ययों के भुगतान पर खो गये अथवा नष्ट हो गये प्रमाणपत्र की एवज में पात्र व्यक्ति को डुप्लीकेट प्रमाणपत्र जारी कर सकते हैं।

16 शेयरों का समेकन एवं उप विभाजन

शेयरधारक / शेयरधारकों के लिखित आवेदन पर बोर्ड अथवा उसके द्वारा गठित समिति, समेकन/ उपविभाजन के लिए उसके पास प्रस्तुत किए गए शेयरों को यथास्थिति समेकित अथवा उपविभाजित कर सकती है तथा इनकी एवज में नये प्रमाणपत्र जारी कर सकती है। इसके लिये बैंक के पास इसकी लागत, प्रभार तथा व्ययों का भुगतान करना होगा।

17. शेयरों का अन्तरण

- (i) बैंक के शेयरों का प्रत्येक अन्तरण इसके साथ संलग्न लिखित फार्म ए अथवा बैंक द्वारा समय-समय पर अनुमोदित ऐसे अन्य प्रारूप फार्म के द्वारा होगा तथा यह सम्बन्धित शेयर प्रमाण पत्र संलग्न करते हुए अन्तरणकर्ता और अन्तरिती द्वारा अथवा की ओर से निष्पादित किया जायेगा जो कि विधिवत् स्टाम्पयुक्त एवं दिनांकित होगा।
- (ii) अन्तरण लिखित तथा शेयर प्रमाणपत्र बैंक के प्रधान कार्यालय को प्रस्तुत किये जायेंगे तथा अन्तरणकर्ता को तब तक ऐसे शेयरों का धारक माना जायेगा जब तक कि अन्तरिती का नाम इस संबंध में शेयर रजिस्टर में दर्ज न कर दिया जाये।

- (iii) बैंक की अंतरण लिखत तथा शेयर प्रमाणपत्र, अंतरण दर्ज करने के अनुरोध सहित प्राप्त होने पर बोर्ड अथवा बोर्ड के द्वारा गठित समिति उक्त अंतरण लिखत तथा शेयर प्रमाणपत्र, रजिस्ट्रार अथवा शेयर अंतरण एजेंट को इस आशय के सत्यापन के उद्देश्य से भेज देंगे कि तकनीकी अपेक्षाओं का पूर्णतया अनुपालन किया गया है। रजिस्ट्रार अथवा शेयर एजेंट अंतरण लिखत तथा शेयर प्रमाण पत्र यदि हों, को पुनः प्रस्तुत करने के लिए अंतरिती को लौटा देगा, जबतक कि अंतरण लिखत बैंक को विधिवत् स्थापयुक्त तथा यथोचित रूप से निष्पादित कर रजिस्ट्रेशन के लिए प्रस्तुत की गई हो तथा इसके साथ शेयर प्रमाण पत्र जिससे कि यह संबंधित है संलग्न किया गया हो एवं बोर्ड द्वारा मांगे जा सकने वाले ऐसे अंतरणकर्ता के अधिकार को दर्शानेवाले अन्य प्रमाण जिससे अंतरण किया जा सके, प्रस्तुत किया गया हो।

स्पष्टीकरण : " तकनीकी आवश्यकताओं " से अभिप्राय है

(क) अंतरण क्लिख विधिवत् स्थापित हो,

(ख) प्रमाण पत्र संख्या अथवा अंतरण क्लिख में उल्लिखित विशिष्ट संख्या, शेयर प्रमाण पत्र से मेल खाती है।

(ग) अंतरणकर्ता के हस्ताक्षर मेल खाते हैं।

(घ) अंतरण क्लिख साक्षात्कृत हो।

- (iv) बोर्ड अथवा बोर्ड द्वारा गठित समिति, जबतक कि आगे अंतरण को विनियम संख्या 19 के तहत रजिस्टर करने से मना करती हो इस अंतरण को रजिस्टर करेगी।
- (v) जबतक कि विनियम 19 के तहत शेयरों का अंतरण मना न किया जाए, विधिवत् अंतरित शेयर प्रमाण-पत्र, अंतरिती को उसके द्वारा लिखत को अंतरण के लिए बी गई तारीख से साठ दिनों के भीतर, सुपुर्द किया जायेगा।

18. अंतरण आस्थगित करने का अधिकार

बोर्ड अथवा बोर्ड द्वारा गठित समिति रजिस्टर बन्द रहने की अवधि के दौरान अंतरण दर्ज नहीं करेगी।

19. बोर्ड का शेयरों के अंतरण को दर्ज करने से मना करने का अधिकार

- (i) बोर्ड अथवा समिति निम्नलिखित में से किसी एक अथवा अधिक कारणों से न कि किसी अन्य कारण से अंतरिती के नाम से किसी शेयर को अंतरित करने से मना कर सकते हैं :-

- (क) शेयरों का अंतरण अधिनियम के प्रावधानों अथवा उसके तहत बनाए गए विनियमों के कानून अथवा किसी अन्य नियम के विरुद्ध हो अथवा इस प्रकार के अंतरणों को दर्ज करने संबंधी कानून की किसी शर्त का अनुपालन न किया गया हो ।
- (ख) बोर्ड की राय में शेयरों का अंतरण बैंक के हितों अथवा जनहित के विरुद्ध हो ।
- (ग) शेयर के अंतरण पर न्यायालय, न्यायधिकरण अथवा किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा उस समय प्रभावी किसी नियम के तहत आदेश के जरिए रोक लगी हो ।
- (घ) भारत से बाहर स्थित कोई कंपनी या व्यक्ति अथवा ऐसे नियम जो भारत में लागू नहीं हैं के तहत संस्थापित कोई कंपनी अथवा ऐसी कंपनी की कोई शाखा भले ही वह भारत से बाहर स्थित हो या नहीं हो, अंतरण की अनुमति मिलने पर बैंक के शेयर प्राप्त या अर्जित कर सकेगी तथा इस प्रकार का कुल निवेश प्रदत्त पूंजी के 20% (बीस) से अधिक अथवा केन्द्र सरकार द्वारा राजकीय गजट में अधिसूचना जारी कर यथानिर्दिष्ट हो जाएगा।
- (ii) बोर्ड अथवा समिति बैंक के शेयर अंतरण संबंधी लिखित अंतरण दर्ज करने हेतु उसे प्रस्तुत किए जाने पर अपनी राय देगा कि इस प्रकार का रजिस्ट्रेशन उप विनियम (1) के तहत किसी कारण से मना किया जा सकता है अथवा नहीं ।
- (क) यदि इसके द्वारा यह राय व्यक्त की गई हो कि ऐसा रजिस्ट्रेशन मना नहीं किया जाए, रजिस्ट्रेशन दर्ज कर दिया जाए तथा
- (ख) यदि इसके द्वारा यह राय व्यक्त की गई हो कि ऐसा रजिस्ट्रेशन उल्लिखित उप नियम (i) के तहत किसी कारण से मना किया जाए तो अंतरणकर्ता तथा अंतरिती को मना करने के कारण अंतरण फार्म प्राप्त होने की तारीख से 60 दिनों में अथवा ऐसी अवधि के भीतर जैसाकि तत्संबंधी स्टाक एक्सचेंज के साथ सुधीबद्ध करार में बताया गया हो, लिखित रूप में नोटिस द्वारा सूचित किया जाए ।

20. मृत्यु, दिवानियापन आदि की स्थिति में शेयरों का प्रेषण

- (i) किसी शेयर के संबंध में मृतक शेयरधारक के निष्पादकों अथवा प्रशासकों अथवा इच्छा पत्र (प्रोबेट) धारक अथवा वसीयतनामे के साथ या इसके बिना प्रशासन पत्रों अथवा भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के भाग X के तहत जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र अथवा किसी कानूनी प्रतिवेदन के धारक अथवा किसी ऐसे व्यक्ति जिसके पक्ष में मृतक एकल धारक द्वारा अपने जीवन काल में अन्तरित वैध प्रलेख निष्पादित हो, को ही इंडियन बैंक द्वारा ऐसे शेयर का अधिकार (टाइटल) होना माना जाएगा ।

- (ii) दो अथवा अधिक शेयर धारकों के नाम से रजिस्टर्ड शेयरों के मामले में, एक अथवा अधिक उत्तरजीवी तथा अन्तिम उत्तरजीवी की मृत्यु के बाद उसके निष्पादक अथवा प्रशासक अथवा कोई व्यक्ति जिसके पास इच्छा (प्रोबेट) पत्र अथवा वसीयत सहित अथवा इसके बिना प्रशासनिक पत्र हो अथवा उत्तराधिकार प्रमाण पत्र अथवा शेयर में उत्तरजीवियों के हित के संबंध में कोई अन्य कानूनी प्रतिवेदन अथवा वह व्यक्ति जिसके पक्ष में शेयर अंतरण संबंधी वैध प्रलेख ऐसे व्यक्ति द्वारा निष्पादित किया गया हो तथा मृतक व्यक्ति के जीवनकाल के दौरान रहे ऐसे उत्तरजीवी व्यक्ति को ही इंडियन बैंक द्वारा ऐसे शेयर का अधिकार (टाइटल) होना माना जाएगा ।
- (iii) इंडियन बैंक ऐसे निष्पादकों अथवा प्रशासकों को तब तक मान्यता देने के लिए बाध्य नहीं होगा जब तक कि वे सक्षम अधिकार क्षेत्र के न्यायालय से यथास्थिति प्रोबेट अथवा प्रशासनिक पत्र अथवा उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्राप्त न कर लें ।

तथापि यदि बोर्ड किसी मामले में अपने विवेक के अनुरूप उचित समझे तो बोर्ड प्रोबेट अथवा प्रशासन पत्र अथवा उत्तराधिकार प्रमाणपत्र अथवा ऐसा अन्य कोई कानूनी प्रतिवेदन प्रस्तुत करने से छूट ऐसी शर्तों पर दे सकता है, जैसाकि वह क्षतिपूर्ति हेतु अथवा अन्यथा उचित समझे ।

- (iv) ऐसा कोई व्यक्ति जो शेयरधारक की मृत्यु के बाद शेयर के लिए पात्र हुआ हो तथा ऐसा कोई व्यक्ति, जो शेयरधारक के दिवालियापन, धनशोधन अक्षमता अथवा परिसमापन के फलस्वरूप शेयर के लिए पात्र हुआ हो, को, बोर्ड द्वारा अपेक्षित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर निम्नलिखित अधिकार प्राप्त होंगे :-

- (क) ऐसे शेयर के लिए शेयर धारक के रूप में रजिस्टर करना,
(ख) इस प्रकार के शेयर का इस प्रकार अंतरण करना जैसाकि वह व्यक्ति जिससे उसे अधिकार (टाइटल) मिला है।

21. शेयरधारक रजिस्ट्रेशन के लिए अयोग्य होना

व्यक्तिगत रूप से अथवा दूसरे अथवा अन्यो के साथ संयुक्त रूप से रजिस्टर्ड शेयरधारक का यह दायित्व होगा कि किसी शेयर के संबंध में रजिस्ट्रेशन के लिए अयोग्यता की सूचना बोर्ड को दे दी जाए ।

स्पष्टीकरण - इस विनियम के प्रयोजनार्थ कोई शेयरधारक पंजीकरण के लिए योग्य नहीं रहता जबकि -

- (क) यदि वह नाबालिग का संरक्षक है तो नाबालिग बालिग हो जाए ।
(ख) यदि कर्ता की हँसियत से शेयर रखे हुए है तो कर्ता न रहे तो ।

22. शेयरों पर धनराशि की मांग

बोर्ड समय-समय पर शेयरधारकों से उनके पास रहे शेयरों की बकाया राशि को, जब भी उपयुक्त समझे मांग कर सकता है जिसे आर्बटन की शर्तों के अनुसार नियत समयों पर देय नहीं बनाया गया था तथा प्रत्येक शेयरधारक प्रत्येक मांग की राशि का बोर्ड द्वारा नियत व्यक्ति को तथा नियत स्थान पर भुगतान करेगा। मांग राशि का किस्तों में भुगतान हो सकता है।

23. संकल्प-दिनांक से राशि की मांग

धनराशि के लिए मांग उस समय से मानी जाएगी जब से कि बोर्ड ने इस प्रकार की मांग के लिए अधिकृत करने का संकल्प पारित किया हो तथा इस दिनांक को अथवा बोर्ड द्वारा नियत किसी आगामी दिनांक को वर्ज शेयरधारकों को इस राशि का भुगतान करना होगा।

24. राशि की मांग हेतु नोटिस

प्रत्येक मांग के लिए न्यूनतम तीस दिन का नोटिस दिया जाएगा जिसमें भुगतान-समय का उल्लेख हो लेकिन इस प्रकार की मांग के भुगतान समय से पूर्व बोर्ड शेयर-धारकों को लिखित नोटिस देते हुए इसे वापस भी ले सकेगा।

25. राशि की मांग के भुगतान समय की अवधि बढ़ाना

बोर्ड समय-समय पर एवं अपने विवेक से सभी अथवा किसी भी शेयरधारक को उनके निवास स्थल की दूरी अथवा किसी अन्य पर्याप्त कारण से भुगतान के लिए नियत समय की अवधि बढ़ा सकेगा, लेकिन किसी भी शेयर धारक को इस प्रकार अवधि बढ़ाए जाने हेतु कोई अधिकार नहीं होगा।

26. संयुक्त धारकों के उत्तरदायित्व

किसी शेयर के संयुक्त धारक उस संबंध में सभी मांगों के भुगतान के लिए संयुक्त रूप से अथवा अलग-अलग उत्तरदायी होंगे।

27. नियत समय पर अथवा किस्तों द्वारा मांग राशि का भुगतान

यदि किसी शेयर निर्गम की शर्तों अथवा अन्यथा कोई राशि किसी नियत समय पर अथवा नियत समय पर किस्तों द्वारा देय है तो ऐसी प्रत्येक राशि अथवा किस्त का भुगतान बोर्ड द्वारा विधिवत् की गई मांग के रूप में किया जाएगा जिसके लिये कि उपयुक्त नोटिस दिया गया हो और मांग संबंधी सभी प्रावधान ऐसी राशि अथवा किस्त के अनुरूप होंगे।

28. जब मांग राशि अथवा किस्त पर ब्याज देय हो

यदि किसी मांग अथवा किस्त भुगतान संबंधी राशि के भुगतान के लिए नियत दिनांक को भुगतान न किया गया हो तो विद्यमान धारक अथवा शेयर आबंटियों जिसके लिए कि राशि की मांग की गई है अथवा शेयर किस्त देय होगी बोर्ड द्वारा समय समय पर नियत दर से इस राशि पर भुगतान के लिए नियम दिनांक से वास्तविक भुगतान के दिनांक तक की अवधि के लिए ब्याज का भुगतान करेगा, लेकिन बोर्ड को इस प्रकार के ब्याज की पूरी राशि अथवा उसके अंश में छूट का विवेकाधिकार होगा।

29. शेयरधारकों द्वारा मांग राशि का भुगतान न करना

किसी भी शेयरधारक द्वारा जब तक उसके पास व्यक्तिगत रूप में अथवा किसी व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप में रखे गए प्रत्येक शेयर पर समस्त मांग राशि का प्रभारित व्ययों एवं ब्याज राशि यदि कोई हो सहित पूर्णतया भुगतान न कर दिया जाता है तब तक उसे किसी प्रकार का लाभान्ना देय नहीं होगा तथा न ही उस पर शेयरधारक का कोई अधिकार हो सकेगा।

30. मांग राशि अथवा किस्त भुगतान न होने पर नोटिस

यदि कोई शेयरधारक किसी मांग के समस्त अथवा आंशिक भाग अथवा किस्त अथवा किन्हीं शेयरों के संबंध में बकाया कोई राशि चाहे वह मूल हो अथवा ब्याज का भुगतान नियत दिनांक को या उसके पूर्व नहीं कर पाता है तो इंडियन बैंक तत्पश्चात् ऐसे किसी भी समय जब मांग राशि अथवा किस्त अथवा किसी आंशिक राशि का भुगतान बकाया हो अथवा इससे सम्बद्ध कोई निर्णय (जजमेंट) अथवा डिक्री पूर्णतया अथवा आंशिक रूप में बकाया रहने पर ऐसे शेयरधारक अथवा हस्तांतरण के फलस्वरूप शेयर के अधिकार प्राप्त व्यक्ति यदि कोई हो को नोटिस जारी कर सकता है कि वह मांग राशि अथवा किस्त अथवा इसका अंश अथवा अन्य राशि जोकि बकाया हो, तथा अर्जित ब्याज तथा सभी व्यय (कानूनी अथवा अन्य) जोकि भुगतान न होने के कारण इंडियन बैंक द्वारा किए गए हों, अदा करे।

31. जब्ती का नोटिस

जब्ती के नोटिस में कोई एक दिन जोकि नोटिस की तारीख से 14 दिन से कम नहीं होगा तथा स्थान जहां पर कि इस मांग राशि अथवा किस्त अथवा आंशिक राशि अथवा अन्य राशि एवं उपरोक्त ब्याज व व्यय का भुगतान किया जाना है का उल्लेख होगा। नोटिस में इस बात का भी उल्लेख होगा कि नियत समय एवं स्थान पर भुगतान न होने की स्थिति में शेयर, जिसके लिए राशि मांगी गई थी अथवा किस्त देय थी को जब्त किया जा सकेगा।

32. चूक होने पर जस्त किए जाने वाले शेयर

यदि उपरोक्तानुसार ऐसी किसी नोटिस की आवश्यकताएं पूरी नहीं की जाती हैं तो जिनके बारे में ऐसा नोटिस दिया गया हो ऐसे किसी भी शेयर को उसके बाद इस आशय के बोर्ड के संकल्प के द्वारा जस्त किया जा सकता है जिससे संबंधित सभी कॉल राशि या किस्तों, ब्याज और व्यय या उनसे संबंधित कोई भी बकाया राशि का भुगतान न किया गया हो, ऐसे जस्ती में जस्त किए गए शेयरों से संबंधित तमाम घोषित किए गए लाभांश का समावेश होगा परन्तु जस्ती से पहले वास्तव में अदा कर दिए गए लाभांश का समावेश नहीं होगा।

33. रजिस्टर में जस्ती की प्रविष्टि

जब विनियम 32 के तहत किसी शेयर को जस्त किया जाता है तब इसे जस्ती की तारीख के साथ रजिस्टर में दर्ज किया जाना चाहिए।

34. जस्त किए गए शेयर इंडियन बैंक की संपत्ति होंगे जिन्हें बेचा जा सकेगा

इस प्रकार जस्त किया गया शेयर इंडियन बैंक की संपत्ति समझा जाएगा और उसें उन शर्तों पर और उस तरीके से बेचा जा सकेगा, पुनः आबंटित किया जा सकेगा या किसी व्यक्ति को दिया जा सकेगा जैसाकि बोर्ड निर्णय ले।

35. जस्ती को रद्द करना

विनियम 32 के तहत इस प्रकार जस्त किए गए शेयरों को बेच देने, पुनः आबंटित करने या किसी अन्य प्रकार से निपटाने से पूर्व बोर्ड उसके द्वारा निर्धारित शर्तों के तहत इस जस्ती को रद्द कर सकता है।

36. शेयर धारक जस्ती के समय बकाया राशि और ब्याज के भुगतान के लिए जिम्मेदार होगा

ऐसा कोई भी शेयरधारक जिनके शेयर जस्त किए गए हैं, जस्ती के बावजूद इंडियन बैंक की सभी मांग राशि, किस्तें, आय एवं व्यय तथा जस्ती के समय ऐसे शेयर से संबंधित अन्य राशि या बकाया राशि तथा बोर्ड द्वारा विनिर्धारित दर पर उस पर ब्याज के साथ भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा और तत्काल भुगतान करेगा और बोर्ड पूरी राशि या उसके किसी भाग के भुगतान को प्रवर्तित कर सकता है।

37. आंशिक भुगतान जस्ती को नहीं रोकेगा

किसी शेयर के बारे में मांग राशियों या बकाया अन्य राशियों के लिये बैंक के फस में निर्णय या डिक्री अथवा कोई भी भुगतान या उसके तहत की संतुष्टि अथवा इंडियन बैंक को शेयर धारक से समय समय पर बकाया राशि का मूलराशि के रूप में या ब्याज के रूप में या किसी हिस्से में भुगतान अथवा इंडियन बैंक द्वारा ऐसी किसी राशि के भुगतान के संबंध में दिया गया अनुग्रह इस विनियम के तहत शेयरों की ऐसी जस्ती को नहीं रोकेगा।

38. शेयरों की जब्ती से बैंक के विरुद्ध सभी दावे समाप्त हो जाते हैं

शेयरों की जब्ती के समय शेयर से संबंधित बैंक के विरुद्ध के सभी हित तथा सभी दावों और मांगों तथा शेयर से संबद्ध सभी अन्य प्रासंगिक प्राधिकारों का समापन हो जाता है परन्तु इन अधिकारों में ऐसे अधिकार शामिल नहीं होंगे जिन्हें स्पष्ट रूप से छोड़ दिया गया हो।

39. जप्त हो जाने पर बिक्री, पुनः जारी करने, पुनः आबंटन या निपटान पर मूल शेयरों का अमान्य हो जाना।

पूर्ववर्ती विनियमों के प्रावधानों के अन्तर्गत शेयरों की बिक्री, पुनः आबंटन या अन्यथा निपटान होने पर संबद्ध शेयरों के संबंध में मूल रूप से जारी किए गए प्रमाण-पत्र रद्द हो जाएंगे और अमान्य बन जाएंगे और प्रभावी नहीं रहेंगे (सिवाए इसके कि बैंक द्वारा मांग किए जाने पर चुककर्ता सदस्य ने पहले से ही उन्हें वापिस कर दिया हो) और बोर्ड इन शेयरों के संबंध में उसके लिए पात्र व्यक्ति या व्यक्तियों को नये प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए अधिकृत होगा।

40. जब्ती के प्रावधान लागू होना :

शेयर जारी करने संबंधी शर्तों के द्वारा निर्धारित समय पर देय कोई भी राशि, चाहे वह शेयर का नामांकित मूल्य या प्रीमियम भुगतान न किए जाने पर जब्ती के संबंध में इन विनियमों के प्रावधान लागू होंगे - मानो वह विधिवत् किए गए कॉल के लिए देय हो।

41. शेयरों पर ग्रहणाधिकार

(i) बैंक का निम्नलिखित पर प्रथम और सर्वोपरि ग्रहणाधिकार होगा :

- (क) ऐसे प्रत्येक शेयर (जो पूर्ण प्रदत्त शेयर नहीं हैं) के संबंध में मांग की गई या निर्धारित समय पर देय सभी राशियां (चाहे वर्तमान में देय हो या नहीं)।
- (ख) किसी व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत सभी शेयरों के लिए (जो पूर्ण प्रदत्त शेयर नहीं हैं) बैंक को उसके अथवा उसकी संपदा द्वारा वर्तमान में देय सभी राशियों के लिए।
- (ग) प्रत्येक व्यक्ति के नाम पर (चाहे एकल रूप में या अन्य के साथ संयुक्त रूप में) पंजीकृत सभी शेयरों पर तथा उसकी बिक्री की प्राप्तियों पर बैंक के साथ उसके उधार देयताएं और जिम्मेदारियाँ चाहे एकल रूप में या अन्य के साथ संयुक्त रूप में और चाहे उसका भुगतान, पूर्णतया विमोचन का समय वास्तव में आया हो या नहीं तथा किसी भी शेयर में सम्यक हित बैंक द्वारा उसके ग्रहणाधिकार से अधिक मान्य नहीं होगा।

बोर्ड चाहे तो किसी भी समय किसी भी शेयर को पूर्णतः या अंशतः इस खण्ड के प्रावधानों से छूट दे सकता है।

- (ii) बैंक का, किसी शेयर पर कोई ग्रहणाधिकार होगा तो वह उस पर देय सभी लाभांशों पर भी लागू होगा ।

42. शेयरों की बिक्री द्वारा ग्रहणाधिकार प्रवर्तित करना

- (i) बैंक किसी भी शेयर को जिसपर कंपनी का ग्रहणाधिकार हो को ऐसे तरीके से बेच सकता है जिसे बोर्ड उचित समझता हो :

(क) ऐसी राशि जिसके संबंध में ग्रहणाधिकार है यदि वर्तमान में देय है, और

(ख) शेयर के वर्तमान रजिस्टर्ड धारक या उसकी मृत्यु या दिवालियापन के कारण शेयरों के हकदार व्यक्ति को, चौदह दिन की लिखित नोटिस का समय समाप्त हो जाने पर, जिसमें राशि के उस भाग के बारे में कहा गया हो और मांग की गई हो, जिस पर ग्रहणाधिकार है और वर्तमान में देय हो ।

- (ii) ऐसे किसी विक्रय को प्रभावी करने के लिए बोर्ड उसके खरीददार को बेचे गए शेयर अंतरित करने के लिए कुछ अधिकारियों को प्राधिकृत कर सकता है।

43. शेयरों की विक्रय प्राप्ति का विनियोग

शेयरों की विक्रय की प्राप्ति की प्रयोज्यता विनियम 42 के अंतर्गत किसी शेयर की लागत को घटाने के बाद शुद्ध प्राप्ति को उससे संबद्ध वर्तमान में देय राशि को ग्रहणाधिकार से संबंधित देयता, उधार या जिम्मेदारी की संतुष्टि के पेटे जमा किया जायेगा और यदि कोई राशि बचती है तो उसे इस प्रकार बचे गए शेयर के अंतरण द्वारा पात्र शेयर धारक या व्यक्ति को भुगतान किया जाएगा ।

44. जल्दी का प्रमाणपत्र

शेयर के बारे में काल किया गया और बोर्ड द्वारा पारित इस आशय के संकल्प द्वारा शेयर जब्त किया गया । इस प्रकार से किसी निदेशक, कंपनी सचिव या वेतनमान II से कम न होनेवाले, इस हेतु विधिवत प्राधिकृत इंडियन बैंक के किसी अन्य अधिकारी द्वारा दिया गया लिखित प्रमाण, उसमें दर्शाए गए तथ्य का ऐसे शेयरों के लिए पात्र सभी व्यक्तियों के विरुद्ध अंतिम साक्ष्य होगा ।

45. जन्त शेयरों के खरीददार और आबंटिती का हक

किसी भी शेयर की बिक्री पुनः आबंटन या अन्य निपटान पर दिया गया कोई प्रतिफल इंडियन बैंक प्राप्त कर सकता है और जिसे ये शेयर बेचे जाते हैं, पुनः आबंटित किए जाते हैं या निपटान किया जाता है उसे शेयर के धारक के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है और उसके लिए प्रतिफल यदि कोई हो, की प्रयोज्यता देखना बाध्यकारी नहीं होगा न ही उसका शेयर का हक शेयर की जन्ती बिक्री, पुनः आबंटन या अन्य निपटान के संदर्भ में प्राप्ति प्राप्त होने पर कोई अनियमितता या अवैधता से प्रभावित होगा और बिक्री से जिसे हानि पहुँची है ऐसे व्यक्ति का उपाय केवल हरजाना होगा और सिर्फ इंडियन बैंक के विरुद्ध ही होगा।

46. शेयरधारकों को नोटिस या दस्तावेज जारी करना

- (i) बैंक किसी भी शेयर धारक को व्यक्तिगत रूप से या सामान्य डाक से उसके पंजीकृत पते पर या यदि भारत में उसका पंजीकृत पते पर या यदि भारत में उसका पंजीकृत पता न हो तो उसके द्वारा नोटिस देने हेतु बैंक को दिलाए भारत में ही किसी पते पर नोटिस या दस्तावेज भेज सकता है।
- (ii) जब नोटिस या दस्तावेज डाक द्वारा भेजे जाते हैं तब इस प्रकार नोटिस या दस्तावेज भेजने के संबंध में यह समझा जाएगा कि वह दस्तावेज या नोटिस वाला पत्र उचित ढंग से पता लिखकर, डाकव्यय पहले से अदा करते हुए डाक में भेजा गया है।

परंतु जहां शेयर धारक बैंक को पहले से ही सूचित करता है कि दस्तावेज डाक प्रमाणपत्र के साथ अथवा पंजीकृत डाक से प्राप्ति सूचना के साथ या बिना प्राप्ति सूचना के या कूरियर सेवा से या इलैक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजी जाए और ऐसा करने संबंधी पर्याप्त व्यय बैंक में जमा करा देता है, तब वह नोटिस या दस्तावेज तब तक प्रभावी ढंग से भेजा गया नहीं माना जाएगा जब तक कि वह शेयर धारक द्वारा दर्शाए गए तरीके से न भेजा जाए। इस प्रकार नोटिस भेजना बैठक की सूचना भेजने के मामले में वह पत्र डाक में प्रेषित करने से 48 घंटे सामप्त होने के बाद तथा अन्य मामलों में उस समय से प्रभावी हुआ समझा जाएगा जिस समय सामान्य डाक से या इलैक्ट्रॉनिक माध्यम से पत्र प्राप्त हो जाता है

- (iii) जब नोटिस या दस्तावेज भारत में व्यापक रूप से प्रसारित किसी अखबार में विज्ञापित किया जाता है तब वह विज्ञापन प्रकाशित होने के दिन बैंक के उन सभी शेयर धारकों को विधिवत भेजा गया समझा जाएगा जिनका भारत में कोई पंजीकृत पता नहीं है, और जिन्होंने बैंक को नोटिस भेजे जाने हेतु भारत में कोई पता उपलब्ध नहीं कराया है।
- (iv) किसी शेयर के संयुक्त धारकों के मामले में बैंक द्वारा कोई नोटिस या दस्तावेज शेयर से संबंधित पंजीकृत प्रथम नाम वाले संयुक्त धारक को प्रभावी ढंग से भेजा जाता है तब इस प्रकार दिया गया नोटिस उपरोक्त शेयर धारकों के लिए पर्याप्त नोटिस होगा।

- (v) शेयर के किन्हीं पत्र व्यक्तियों को उनकी मृत्यु हो जाने पर या शेयर धारक के दिवालिया हो जाने पर उनके नाम पर या मृतक अथवा दिवालिया के समनुदेशिती के नाम पर या इस प्रकार की स्थिति में इस प्रकार की पद्धति का दावा करने वाले व्यक्तियों द्वारा इस प्रयोजन से उपलब्ध कराए गए पत्र पर बैंक द्वारा नोटिस या दस्तावेज डाक द्वारा, पूरा खर्च अदा किए गए पत्र से भेजे जाए या अब तक ऐसा पत्र उपलब्ध नहीं कराया जाता है उसी प्रकार नोटिस या दस्तावेज भेजे जाए जिस प्रकार मृत्यु दिवालियापन की घटना घटित ही न हुई हो।
- (vi) इंडियन बैंक द्वारा दिए जाने वाले किसी भी नोटिस पर हस्ताक्षर लिखित या मुद्रित हो सकते हैं।

अध्याय III

डिपोजिटरी में रखी गई बैंक की प्रतिभूतियां

47. बैंक एवं डिपोजिटरी के बीच अनुबंध

डिपोजिटरी अधिनियम, 1966 की धारा 2(ई) की परिभाषा के अनुसार बैंक अपने द्वारा जारी की गई प्रतिभूतियों के संबंध में एक या अधिक डिपोजिटरी की सेवाएं लेने हेतु उनसे अनुबंध कर सकता है।

अध्याय IV

शेयरधारकों की बैठकें

48. वार्षिक सामान्य सभा बुलाने की सूचना

- (i) इंडियन बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा कार्यपालक निदेशक अथवा बैंक के किसी अन्य प्राधिकृत अधिकारी जो वेतनमान VII से कम नहीं हो या कंपनी सचिव द्वारा हस्ताक्षरित वार्षिक सामान्य सभा बुलाने की नोटिस, भारत में विस्तृत प्रसार वाले कम से कम दो समाचार पत्रों में 21 पूर्ण दिवसों पहले प्रकाशित की जायेगी।
- (ii) इस प्रकार की प्रत्येक नोटिस में इस प्रकार की बैठक का स्थान, समय एवं तारीख का तथा इस प्रकार की बैठक में किये जाने वाले कारोबार का उल्लेख किया जायेगा।
- (iii) इस प्रकार की बैठक का समय एवं तारीख निदेशक मंडल द्वारा तय किये गये अनुसार होगी। बैठक बैंक के प्रधान कार्यालय के स्थान पर होगी।

49. असाधारण सामान्य सभा

- (i) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा उसकी अनुपस्थिति में बैंक के कार्यपालक निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में बैंक के निदेशकों में से कोई निदेशक, यदि निदेशक मंडल ऐसा निर्देशित करें अथवा ऐसी बैठक बुलाने की मांग केन्द्रीय सरकार अथवा बैंक के शेयर धारकों में यदि अन्य कोई शेयरधारक से जिसके पास शेयर धारकों के वोट देने के कुल अधिकार का 10 प्रतिशत भाग हों, के मांग करने पर शेयरधारकों की असाधारण सामान्य सभा बुला सकता है।
- (ii) उपविनियम (i) में उल्लिखित मांग में असाधारण सामान्य सभा की बैठक बुलाये जाने के उद्देश्य का उल्लेख किया जाना चाहिए। किन्तु इसमें कई दस्तावेजों का समावेश होने पर प्रत्येक पर एक या उससे अधिक मांग करने वालों के हस्ताक्षर होने चाहिए।
- (iii) ऐसे मामलों में जहां दो या अधिक व्यक्ति किसी शेयर के संयुक्त स्वामी हों वहां इस प्रकार की मांग पर अथवा नोटिस जिसके द्वारा बैठक की मांग की गयी है उस पर यदि एक के अथवा कुछ के हस्ताक्षर हों तो भी इस विनियम के लिए उसका वही प्रभाव होगा जैसे उस पर सभी ने हस्ताक्षर किए हों।
- (iv) असाधारण सामान्य सभा का समय, स्थान एवं तारीख का निर्धारण निदेशक मंडल द्वारा किया जायेगा। बशर्ते, असाधारण सामान्य सभा केन्द्रीय, सरकार की मांग पर अथवा शेयर धारकों की मांग पर बैठक बुलाने की मांग प्राप्त होने के 45 दिनों से अनधिक अवधि के अंदर बुलायी गयी हो।
- (v) यदि बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक, जैसा भी मामला हो, उपविनियम (1) में वांछित बैठक उपविनियम (1V) में उल्लिखित प्रावधानों में निर्धारित समय में बैठक नहीं बुलाते है तब बैठक की मांग करने वालों द्वारा बैठक की मांग किये जाने की तारीख से तीन महीने के भीतर बैठक बुलायी जा सकेगी। बशर्ते, इस उपविनियम में ऊपर उल्लिखित 3 महीने की अवधि के समाप्त होने के पहले बुलाई गयी बैठक की उस अवधि की समाप्ति के बाद कुछ दिनों के लिए स्थगित करने के विस्तृत रोक न माना जाए।
- (vi) मांग करने वालों के द्वारा उपविनियम (v) के अन्तर्गत बुलायी गई बैठक को उसी ढंग से बुलाया जाएगा जैसा कि निदेशक मंडल द्वारा अन्य सामान्य सभाओं के मामले में किया जाता है।

50. सामान्य सभा का कोरम :

- (i) शेयरधारकों की किसी भी बैठक में तब तक कोई भी कारोबार नहीं किया जा सकेगा जब तक कि इस प्रकार की बैठक में इस प्रकार का कारोबार प्रारंभ करने से पहले वोट देने का अधिकार रखने वाले कम से कम 5 शेयरधारक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न हों।

- (ii) बैठक के लिए निर्धारित समय से आधे घंटे के भीतर कोरम मौजूद न होने पर यदि बैठक केन्द्र सरकार की मांग के अलावा शेयर धारकों की मांग पर बुलाई गई हो तो बैठक समाप्त हो जाएगी।
- (iii) दूसरे अन्य मामलों में बैठक के लिए निर्धारित समय के आधे घंटे के भीतर यदि कोरम मौजूद न हो तो बैठक अगले सप्ताह के उसी दिन, उसी समय और उसी स्थान के लिए अथवा उसी प्रकार के किसी अन्य दिन समय और स्थान के लिए जैसा अध्यक्ष निर्धारित करें, स्थगित हो जाएगी। यदि स्थगित बैठक के लिए निर्धारित समय, स्थान एवं तारीख पर आधे घंटे के भीतर कोरम मौजूद नहीं होता है तब वे शेयर धारक जो स्वयं उपस्थित हों अथवा परोक्षी के रूप में उपस्थित हों अथवा उनके विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि इस बैठक में उपस्थित हों वे कोरम माने जायेंगे और वह कारोबार कर सकेंगे जिनके लिए बैठक बुलाई गयी हो।
- (iv) परन्तु अधिनियम की धारा 10 ए (1) की शर्तों के अनुरूप वार्षिक सामान्य सभा के लिए निर्धारित तारीख से बाद की किसी तारीख के लिए कोई भी वार्षिक सामान्य सभा स्थगित नहीं की जाएगी किन्तु यदि बैठक को आगामी सप्ताह को स्थगित करने का प्रभाव यह हो तो वार्षिक सामान्य सभा स्थगित नहीं की जाएगी बल्कि बैठक की कार्यवाही निर्धारित समय से 1 घंटे के भीतर, यदि कोरम मौजूद है, शुरू होगी अथवा एक घंटे में समाप्त होने के तत्काल बाद प्रारंभ होगी और वे शेयर धारक जो व्यक्तिगत रूप से मौजूद हों अथवा उनके परोक्षी उपस्थित हों अथवा उनके विधिवत् प्रतिनिधि उपस्थित हों वे इस बैठक के कोरम माने जाएंगे।

51. सामान्य सभा के अध्यक्ष :

- (i) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में ऐसे कोई निदेशक जिन्हें सामान्यतः अथवा किसी विशेष बैठक के संबंध में अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक द्वारा अथवा उनकी अनुपस्थिति में इस मामले में कार्यपालक निदेशक द्वारा प्राधिकृत किया गया हो, बैठक के अध्यक्ष होंगे। यदि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा कार्यपालक निदेशक अथवा इस संबंध में प्राधिकृत कोई अन्य निदेशक उपस्थित नहीं हो तो बैठक में उपस्थित किसी अन्य निदेशक को सभा, बैठक का अध्यक्ष चुन सकती है।
- (ii) सामान्य सभा के अध्यक्ष सामान्य सभा की कार्यवाही को विनियमित करेंगे तथा विशेष रूप से उनको यह अधिकार होगा कि वे यह तय करें कि शेयर धारक सभा को किसी क्रम में संबोधित करेंगे, उनके भाषण की अवधि भी तय करेंगे तथा यदि वे यह समझें कि किसी मामले पर पर्याप्त चर्चा हो चुकी है तो वे बैठक को समाप्त घोषित कर सकेंगे।

52. सामान्य सभा में भाग लेने के लिए पात्र व्यक्ति :

- (i) उपविनियम (ii) के प्रावधानों के अनुसार सभी निदेशक एवं शेयरधारक सामान्य सभा में भाग लेने के पात्र होंगे।

- (ii) कोई शेयरधारक (केन्द्र सरकार नहीं) अथवा निवेशक जो सामान्य सभा में भाग ले रहा हो उसे पहचान एवं उसके वोट देने के अधिकारों का विनिर्धारण करने के लिए निम्नलिखित विवरणों के साथ अध्यक्ष द्वारा निर्धारित फार्म में हस्ताक्षर करके प्रस्तुत करना होगा।

(क) उसका पूरा नाम व पंजीकृत डाक पता।

(ख) उसके शेयरों की पहचान संख्या।

(ग) क्या उन्हें वोट देने का अधिकार है, वह स्वयं व्यक्तिगत रूप से अथवा परोक्षी के माध्यम से अथवा विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से कितने वोट देने के लिए पात्र है।

53. सामान्य सभा में मतदान :

- (i) किसी भी सामान्य सभा में कोई भी संकल्प जिसे सभा के वोट के लिए प्रस्तुत किया जाता है, जब तक मतदान की मांग न की गयी हो उसका निर्णय हाथ उठाकर सहमति के आधार पर तय माना जाएगा।
- (ii) अधिनियम में दिए गए प्रावधानों के अलावा सामान्य सभा को प्रस्तुत प्रत्येक मामले को बहुमत के आधार पर तय किया जाएगा।
- (iii) जब तक कि उपविनियम (i) के अंतर्गत मतदान की मांग न की गयी हो तक तब बैठक के अध्यक्ष द्वारा यह घोषणा कि संकल्प, हाथ उठाने से पारित किया गया / नहीं किया गया या दो एकमत से अथवा विशिष्ट बहुमत से एवं इस आशय की एक प्रविष्टि उन बहियों में जिसमें कार्यवाही का कार्यवृत्त दिया गया हो वह इस सत्य का इस प्रकार के संकल्प के पक्ष विपक्ष में डाले गए मतों की संख्या अनुपात के प्रमाण के बिना भी निर्णायक साक्ष्य होगा।
- (iv) किसी भी संकल्प पर हाथ उठाकर मतदान का परिणाम घोषित करने से पूर्व अथवा परिणाम घोषित करने पर सभा का अध्यक्ष उनके अपने प्रस्ताव पर मतदान के लिए आवेश दे सकता है और इस मामले में किसी शेयरधारक अथवा शेयर धारकों द्वारा जो सभा में स्वयं उपस्थित हो अथवा उनके परोक्षी के माध्यम से जिनके पास बैंक की शेयर धारिता है, जिसके द्वारा उन्हें संकल्प पर मतदान करने का अधिकार प्राप्त होता है, जो कि किसी संकल्प पर कुल मताधिकार के पांचवे भाग से कम नहीं, के द्वारा मांग करने पर वह आवेश प्राप्त करेगा।
- (v) मतदान की मांग को मतदान की मांग करने वाले व्यक्ति / व्यक्तियों द्वारा किसी भी समय वापस लिया जा सकेगा।
- (vi) स्थगन अथवा सभा के अध्यक्ष चुनाव के मामले में मतदान की मांग को तुरंत हाथ में लिया जाएगा।

- (vii) किसी अन्य मामले पर मतदान की मांग को ऐसे समय के भीतर लिया जाएगा जो मांग किए जाने से 48 घंटे से अधिक नहीं हो, जैसा कि बैठक के अध्यक्ष निर्देशित करें।
- (viii) किसी व्यक्ति^{की} मताधिकार की पात्रता तथा मतदान के मामले तथा कोई व्यक्ति कितने वोट देने के लिए सक्षम है के मामले में सभा अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

53ए मतदान में संवीक्षक

- (i) जहाँ मतदान लिया जाना है, मतदान में दिए गए मतों की संवीक्षा कर उनको उसपर रिपोर्ट देने के लिए बैठक के अध्यक्ष दो संवीक्षकों को नियुक्त करेंगे।
- (ii) मतदान के परिणाम को घोषित करने के पहले, संवीक्षक के पद से किसी व्यक्ति को निकालने और ऐसे निकाले जाने से उठनेवाली या अन्य किसी कारण से होनेवाली रिक्ति को दूसरे व्यक्ति से भरने का अधिकार अध्यक्ष को होगा।
- (iii) इस विनियम के अंतर्गत नियुक्त दो संवीक्षकों में से एक का शेयरधारक होना अनिवार्य है (जो बैंक का अधिकारी या कर्मचारी न हो) जो बैठक में उपस्थित है, बशर्ते कि ऐसा शेयरधारक उपलब्ध हैं और नियुक्त होने पर इच्छुक भी हैं।

53बी मतदान लेने का तरीका और उसका परिणाम

- (i) सभाध्यक्ष को मतदान लेने के तरीके का विनियमन करने का अधिकार होगा।
- (ii) मतदान के परिणाम से यह माना जाएगा कि जिस संकल्प के लिए मतदान लिया गया था, उसपर सभा का निर्णय यही है।

54. सामान्य सभा का कार्यवृत्त

- (i) बैंक सभी कार्यवाहियों का कार्यवृत्त इन आशय हेतु बनाई गई पुस्तकों में दर्ज करेगा।
- (ii) इस प्रकार का कोई कार्यवृत्त जिस पर बैठक की कार्यवाही के अध्यक्ष के हस्ताक्षर करने हों अथवा आगामी बैठक के अध्यक्ष के हस्ताक्षर हो वह कार्यवाही का साक्ष्य होगा।
- (iii) जब तक कि अन्यथा प्रमाणित न हो, कार्यवाहियों के संबंध में जिनके कार्यवृत्त तैयार किए गए हैं यह माना जायेगा कि ऐसी बैठकें बुलाई गई और हुई हैं उससे संबंधित सभी कार्यवाही विधिवत संपन्न हुई हैं।
- (iv) कार्यवृत्त की बही का निरीक्षण करने या किसी विशिष्ट बैठक के कार्यवृत्त की मांग करते हुए शेयरधारक से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर बैंक ऐसा निरीक्षण अनुमत करेगा या मामले के अनुसार शेयरधारक को कार्यवृत्त की प्रति देगा।

अध्याय - V**निदेशकों का चयन****55. निदेशकों का चयन सामान्य सभा में होगा**

- (i) अधिनियम की धारा 9 के अनुच्छेद (3) के खण्ड (i) के अनुसार किसी निदेशक का चयन केंद्र सरकार के अलावा रजिस्टर पर दर्ज शेयरधारकों द्वारा बैंक की सामान्य सभा में उनके बीच में से किया जाएगा।
- (ii) जबकि किसी निदेशक का चयन सामान्य सभा में किया जाएगा इस अशय की सूचना सामान्य सभा बुलाने की सूचना में दी जायेगी। इस प्रकार की प्रत्येक नोटिस में चुने जाने वाले निदेशकों की संख्या तथा रिक्तियां जिनके संबंध में चुनाव किया जाना है, उनके विवरण विनिर्दिष्ट किये जायेंगे।

56. शेयरधारकों की सूची

- (i) इस विनियमों के विनियम 63 के उपविनियम (i) के अंतर्गत शेयरधारकों की एक सूची रजिस्टर पर तैयार की जायेगी जिसके ऊपर से निदेशकों का चुनाव किया जाएगा।
- (ii) इस सूची में शेयरधारकों के नाम, उनके पंजीकृत डाक पते उनके पास शेयरों के पंजीकृत किए जाने की तारीख को शेयरों एवं डिनोर्टिंग संख्या तथा चुनाव किए जाने की निर्धारित तारीख को, जिसकी बैठक होने वाली है उनके मतों की संख्या आदि शामिल होंगे। इस सूची की प्रतियां निदेशक मंडल या प्रबंधन समिति द्वारा तय किये गये मूल्य पर प्रधान कार्यालय में आवेदन करने पर बिक्री के लिए बैंक हेतु निर्धारित तारीख से कम से कम तीन सप्ताह पूर्व उपलब्ध होनी चाहिए।

57. चुनाव के लिए प्रत्याशियों का नामांकन

- (i) किसी भी प्रत्याशी का कोई भी नामांकन निदेशक के रूप में चुनाव हेतु तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक कि :
 - (क) वह बैंक का शेयर धारक नहीं हो और उसके नाम पर 100 शेयर अंकित न हों।
 - (ख) उसे अधिनियम के अंतर्गत अथवा योजना के अंतर्गत नामांकन प्राप्त होने की अंतिम तारीख तक निदेशक होने के लिए योग्य घोषित न किया गया है।
 - (ग) उसके नाम पर अंकित चाहे संयुक्त रूप से अलग से अकेले के नाम बैंक के सभी शेयरों की मांग राशियों का निर्धारित तारीख के पहले भुगतान न कर दिया हो।

- (घ) उसके नामांकन पर कम से कम 100 शेयरधारकों के उसे निदेशक चुनने के लिए हस्ताक्षर होने चाहिए अथवा इन शेयरधारकों के विधिवत गठित मुख्तार के हस्ताक्षर होने चाहिए, बशर्ते, ऐसे किसी शेयरधारक द्वारा नामांकन जो कोई कंपनी हो उसके निदेशकों द्वारा पारित संकल्प के माध्यम से किया जाना चाहिए और जहां ऐसा किया गया हो वहां पर बैठक के अध्यक्ष द्वारा उसकी सत्य प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित करके इसकी एक प्रति बैंक के प्रधान कार्यालय को भेज दी जानी चाहिए। और इस प्रति को उस कंपनी के द्वारा किया गया नामांकन माना जायेगा।
- (ङ) नामांकन के साथ संलग्न अथवा उसमें न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट, रजिस्ट्रार अथवा उपरजिस्ट्रार (आवासन) अथवा अन्य राजपत्रित अधिकारी अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के अथवा किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के अधिकारी के सामने यह की गयी घोषणा शामिल होनी चाहिए कि वह नामांकन स्वीकार करता है और उसे अधिनियम अथवा योजना के अंतर्गत अथवा इन विनियमों के अंतर्गत निदेशक चुने जाने के लिए अयोग्य घोषित नहीं किया गया है।
- (ii) कोई भी नामांकन तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक कि यह इससे संबंधित सभी दस्तावेजों के साथ सभी रूप में पूर्ण होकर इंडियन बैंक के प्रधान कार्यालय में बैठक के लिए तय तारीख से 14 पूर्ण दिनों के पहले प्राप्त न की जाए।

58. नामांकनों की संवीक्षा (जांच)

- (i) नामांकनों की जांच नामांकनों के प्राप्त होने की निर्धारित तारीख के आगामी कार्य दिन को की जायेगी और यदि किसी नामांकन को विधिमान्य नहीं पाया जाता है तो उसे निरस्त कर दिया जायेगा और इस पर उसके निरस्त करने का कारण दर्ज कर दिया जायेगा। यदि किसी विशिष्ट रिक्ति के लिए केवल एक ही नामांकन होता है तब इस प्रकार से नामित व्यक्ति को तुरंत चुना गया मान लिया जायेगा और उसका नाम और पता इस प्रकार के चुने जाने के लिए प्रकाशित किया जायेगा। इस प्रकार की स्थिति में इस आशय के लिए बुलाई गई बैठक में कोई चुनाव नहीं होगा और यदि बैठक पूर्ण रूप से इसी कार्य के लिए बुलाई गई हो तो यह रद्द हो जायेगी।
- (ii) ऐसी स्थिति में जब चुनाव हो रहा हो तथा जब विधि मान्य नामांकनों की संख्या चुने जाने वाले निदेशकों से अधिक हो तो वह प्रत्याशी जिसे बहुमत प्राप्त होगा उसे चुना हुआ माना जाएगा।
- (iii) वह निदेशक जिसका चयन किसी रिक्ति को भरने के लिए किया गया है उसने अपना पदभार उस तारीख से संभाल लिया माना जाएगा जिस तारीख को इसका चयन किया गया है अथवा जिस तारीख से उसका चुनाव किया गया माना गया है।

59. चुनाव विवाद

- (i) यदि कोई संदेह अथवा विवाद किसी व्यक्ति की योग्यता अथवा अयोग्यता के बारे में उत्पन्न है, जिसका चयन हुआ है अथवा जिसे चयनित माना गया है अथवा चुना घोषित किया गया है, तो निदेशक चुने जाने की वैधता रखने वाला कोई ऐसा व्यक्ति जो प्रत्याशी होने में रुची रखता हो अथवा शेयर धारक जो इस प्रकार चुनाव में मतदान करने के लिए पात्र है, उसे इस प्रकार के चुनाव की घोषणा 7 दिनों के भीतर इंडियन बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का इसकी लिखित सूचना देनी चाहिए और उक्त सूचना में चुनाव की वैधता और विवाद अथवा संदेह के सभी आधारों के विवरण देने चाहिए।
- (ii) उपविनियम (i) के अंतर्गत इस प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में इंडियन बैंक के कार्यपालक निदेशक इस प्रकार के संदेह या विवाद को निर्णय के लिए उस समिति को भेज देंगे जिसमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक और कोई दो निदेशक होंगे जिन्हें अधिनियम की धारा 9 के अनुच्छेद (3) के उपखण्ड (ख) और (ग) के अंतर्गत नामित किया गया है।
- (iii) उपविनियम (ii) में उल्लिखित समिति ऐसी जाँच करेगी जैसा वह ठीक समझे और यदि उनके सामने यह आता है कि चुनाव विधिमान्य चुनाव है तब वह घोषित चुनाव की पुष्टि कर देंगे अथवा यदि उनके समझ ऐसा पाया जाता है कि चुनाव विधिमान्य नहीं या तब वह जाच प्रारंभ होने के 30 दिनों के भीतर ऐसे आदेश देंगे और नया चुनाव कराने अथवा जैसे समिति परिस्थितियों के अनुरूप ठीक समझे, सहित निर्देश जारी करेंगी।
- (iv) इस विनियम के अनुरूप समिति द्वारा दिया गया आदेश व निर्देश निर्णायक होगा।

अध्याय 6**शेयरधारकों का मताधिकार****60. मताधिकार का निर्णय**

- (i) अधिनियम के अनुच्छेद 3 (2ई) में दिये गये प्रावधानों के अनुरूप सामान्य सभा की तारीख के पहले रजिस्टर बन्द होने की तारीख पर जिसे शेयर धारक रजिस्टर में दर्ज किया गया है ऐसे प्रत्येक शेयर धारक को ऐसी बैठकों में हाथ उठाकर एकमत देने का अधिकार है और यदि चुनाव होता है तो उसके नाम पर दर्ज प्रत्येक शेयर के लिए उसे एक मत देने का अधिकार है।

- (ii) अधिनियम के अनुच्छेद 3 (2ई) में दिये गये प्रावधानों के अधीन प्रत्येक शेयरधारक, जो कम्पनी नहीं है, जो स्वयं अथवा परोक्षी के माध्यम से उपस्थित हो अथवा कम्पनी होने पर विधिवत् प्राधिकृत व्यक्ति से अथवा परोक्षी के माध्यम से अपस्थित हो उसे हाथ उठाकर वोट देने की दशा में एक मत देने और चुनाव की स्थिति में उपविनियम (i) में यहां ऊपर उल्लिखित उसके द्वारा धारित प्रत्येक शेयर के लिए एक मत देने के लिए पात्र होगा।

स्पष्टीकरण : इस अध्याय के लिए कम्पनी से तात्पर्य कारपोरेट निकाय से है।

- (iii) बैंक के शेयर धारक सामान्य सभा में भाग लेने एवं वोट देने के लिए पात्र होंगे तथा वे किसी अन्य व्यक्ति (शेयर धारक हो अथवा नहीं) उसके स्थान पर बैठक में भाग लेने एवं वोट देने के लिए परोक्षी नियुक्त कर सकेंगे। परन्तु किसी परोक्षी को इस प्रकार की बैठक में बोलने का अधिकार नहीं होगा।

61. विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से मतदान :

- (i) कोई शेयरधारक, वह केन्द्र सरकार हो अथवा कम्पनी, एक संकल्प के द्वारा जैसा मामला हो, अपने किसी अधिकारी को अथवा किसी अन्य व्यक्ति को शेयरधारकों की सामान्य सभा में अपने प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने हेतु प्राधिकृत कर सकेगा और इस प्रकार के प्राधिकृत व्यक्ति (जिन्हें इन विनियमों में विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि कहा गया है) केन्द्र सरकार की ओर से अथवा कम्पनी की ओर से जिसका वह प्रतिनिधित्व करता है जैसे कि वह स्वयं इंडियन बैंक का शेयर धारक हो, उनके अधिकार का प्रयोग कर सकेगा। इस प्रकार दिया गया प्राधिकार विकल्पतः दो व्यक्तियों के नामों में हो सकता है और ऐसे मामलों में इनमें से कोई व्यक्ति केन्द्र सरकार/ कम्पनी के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर सकेगा।
- (ii) बैठक के लिए निर्धारित की गयी तारीख के कम से कम चार दिन पहले इंडियन बैंक के प्रधान कार्यालय में विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि नियुक्त किये जाने संबंधी संकल्प की उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा प्रमाणित प्रतिलिपि न जमा कराने की दशा में कोई भी व्यक्ति न तो इंडियन बैंक के शेयर धारकों की किसी बैठक में भाग ले सकेगा और न मतदान कर सकेगा।

62. परोक्षी

- (i) परोक्षी के लिए कोई प्रपत्र तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक कि वह किसी व्यक्तिगत शेयर धारक के मामले में उसके द्वारा हस्ताक्षरित न हो अथवा लिखित रूप में विधिवत् अपने संयुक्त धारकों के मामले में यह रजिस्टर में नाम वाले धारक द्वारा अथवा लिखित रूप में विधिवत् मुख्तार द्वारा हस्ताक्षरित न हो अथवा कारपोरेट निकाय के मामले में इसके अधिकारी अथवा किसी विधिवत् प्राधिकृत मुख्तार द्वारा हस्ताक्षरित न हो।

वशर्ते, परोक्षी का कोई प्रपत्र किसी शेयर धारक द्वारा पर्याप्त रूप से हस्ताक्षर किए गए हों, जो यदि किसी भी कारण से अपना नाम लिखने में असमर्थ हों, और उसके अंगूठे के निशान इस पर अंकित किए गए हों तो न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट, रजिस्ट्रार अथवा एक्जोरेंश के उप रजिस्ट्रार अथवा सरकार के अन्य राजपत्रित अधिकारी अथवा इंडियन बैंक के किसी अधिकारी द्वारा विधिवत् साक्ष्यांकित किया गया है।

- (ii) कोई भी परोक्षी तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक कि इस पर विधिवत् स्टाम्प न लगाया हो और इसकी एक प्रति इंडियन बैंक के प्रधान कार्यालय में बैठक के लिए निर्धारित तारीख से 4 दिनों के भीतर मुख्तार नामे के साथ अथवा अन्य प्राधिकार (यदि कोई) जिसके अंतर्गत इस पर हस्ताक्षर किया गया है अथवा उस मुख्तारनामे की प्रति अथवा अन्य प्राधिकारी जिसे सत्य प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित किया गया हो अथवा मुख्तारनामा अथवा प्राधिकार पत्र जिसको नोटरी अथवा मजिस्ट्रेट द्वारा इसे प्रमाणित किया गया हो और इसे इंडियन बैंक के पास पहले से इस प्रकार के मुख्तार नामे को अथवा प्राधिकार को जमा व पंजीकृत न कराया गया हो।
- (iii) परोक्षी का कोई भी प्रपत्र तभी मान्य होगा जब कि यह फार्म "बी" में हो ।
- (iv) इंडियन बैंक के पास जमा कराया गया परोक्षी का प्रपत्र अप्रत्यावर्तनीय और अंतिम होगा।
- (v) ऐसे मामलों में जहां परोक्षी को दो व्यक्तियों के पक्ष में विकल्पतः स्वीकृत किया गया हो एक फार्म से अधिक को निष्पादित नहीं किया जायेगा ।
- (vi) इस विनियम के अंतर्गत परोक्षी के प्रपत्र को मंजूर करने वाला व्यक्ति स्वयं व्यक्तिगत रूप से उस बैठक में मत नहीं दे सकेगा जिसके लिए इस प्रकार की परोक्षी स्वीकृत की गयी है ।
- (vii) ऐसे किसी भी व्यक्ति को प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा परोक्षी नियुक्त नहीं किया जा सकता है जो कि इंडियन बैंक में अधिकारी अथवा कर्मचारी है ।

इंडियन बैंक
फार्म "क"
शेयरअन्तरण फार्म
[विनियम 17 का उपविनियम (1) देखें]

अधोलिखित के हितार्थ अन्तरणकर्ता नामक अन्तरिती नामक को निम्नलिखित शेयरों को उन्हीं शर्तों पर एतद्द्वारा अन्तरित करता है/करते हैं जिन शर्तों पर अन्तरणकर्ता द्वारा शेयर धारित किया गया/किये गये हैं और अन्तरिती उक्त शेयरों को स्वीकार एवं धारित करने के लिए उपरोक्त शर्तों के अधीन एतद्द्वारा सहमति देता है/देते हैं।

कम्पनी का पूरा नाम

मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का नाम जहाँ लेन-देन किया गया,
यदि कोई हो

इक्विटी शेयरों के विवरण :

संख्या
(अंकों में)

संख्या
(शब्दों में)

हितार्थ राशि
(अंकों में)

हितार्थ राशि
(शब्दों में)

अलग-अलग क्रमांक

से

तक

तदनुरूपी प्रमाण पत्र
सं.

अन्तरणकर्ता(ओं)
विक्रेता(ओं) के विवरण
पूरा नाम

पंजीकृत फोलियो सं.	हस्ताक्षर
1.	1.
2.	2.
3.	3.
4.	4.

सत्यापन

मैं एतद्वारा यहां उल्लिखित
अन्तरणकर्ता(ओं) के हस्ताक्षर)
को सत्यापित करता हूँ

हस्ताक्षर :

नाम :

पता / मुहर :

साक्षी के हस्ताक्षर
साक्षी का नाम एवं पता

पिन _____

अन्तरित्ति(यो)
पूरा नाम

विक्रेता(ओं) के विवरण	हस्ताक्षर
1.	1.
2.	2.
3.	3.

व्यवसाय	पता	पिता/पति का नाम
1.		
2.		
3.		

अन्तरित्ति(यो) का वर्तमान फोलियो, यदि कोई हो,
दिये गये नामों के अनुक्रम में

चिपकाये गये स्टैंपों का मूल्य
रु _____

विनांकित : दो हजार _____ के _____ के _____ दिन

को

स्थान _____

फोलियो	कम्पनी कोड
अंतरिर्ति(यों)के नमूना हस्ताक्षर	1. 2. 3.

केवल कार्यालयीन उपयोग के लिये

_____ द्वारा जांचा गया

_____ द्वारा हस्ताक्षर का मिलान
किया गया ।

अन्तरण संख्या _____ के रजिस्टर में
प्रविष्टि की गई

अनुमोदन की तिथि :

सत्यापन हेतु अनुदेश :

जहां सत्यापन (अंगूठा निशान, निशान, हस्ताक्षर अन्तर आदि) की आवश्यकता है, मैजिस्ट्रेट, नोटरी पब्लिक अथवा विशेष कार्यपालक, न्यायाधीश अथवा सार्वजनिक पद का समकक्ष प्राधिकारी जिसे अपने कार्यालय की सील का प्रयोग करने का अधिकार प्राप्त हो अथवा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का सदस्य जिसके माध्यम से शेयर प्रारम्भ किये जाते हों अथवा अन्तरणकर्ता बैंक के प्रबंधक द्वारा सत्यापन किया जाना चाहिए ।

नोट : नामों की सीधी लाइन में रबड़ की मोहर लगी होनी चाहिए, वर्ण क्रम का पालन किया जाये। समाशोधन के सदस्य बैंक द्वारा सुपुर्दगी के समय दलाल समाशोधन क्रमांक का उल्लेख किया जाना चाहिए ।

अटर्नी अधिकार/प्रोबेट/मृत्यु प्रमाण पत्र प्रशासन पत्र
कम्पनी के साथ पंजीकृत सं. _____ तारीख _____
(दलाल, बैंक, कम्पनी अथवा स्टॉक एक्सचेंज, समाशोधन गृह के हस्ताक्षर) (आवश्यक नहीं)

सुपुर्दगीकर्ता , दलाल अथवा समाशोधन गृह के सदस्य का नाम	तारीख
---	-------

प्रस्तुतकर्ता _____
पूरा पता _____

निम्न को शेयर प्रमाणपत्र वापिस करें (जिस व्यक्ति को प्रमाणपत्र वापिस भेजने हैं उसका नाम और पता भरें ; नाम एवं पता _____

शेयर अंतरण स्टैम्प

इंडियन बैंक
फार्म "बी"
परोक्षीप्रपत्र / प्राक्सी फार्म
[विनियम 70 का उप विनियम (111) देखें]

फौलियो सं _____
(शेयर धारक द्वारा भरा जाना है)

मैं / हम _____ राज्य _____
जिले _____ के निवासी इंडियन बैंक के शेयरधारक / धारकों के रूप में
एतद्द्वारा _____ राज्य के _____ जिले के
_____ निवासी श्री _____
या उनके न रहने पर _____ राज्य के _____ जिले
के _____ निवासी श्री _____
को इंडियन बैंक के शेयरधारकों की _____ 20 _____
के _____ दिन को और उसके किसी स्थान पर होने वाली बैठक में अपनी / हमारी
ओर से मेरे / हमारे लिये मत देने हेतु अपनी / हमारी परोक्षी नियुक्त करता हूँ / करते हैं।

_____ 20 _____ के _____ दिन को हस्ताक्षरित

नाम :

पता :

आवश्यक रेवेन्यू
स्टाम्प चिपकायें

ह./- अपठनीय

महा प्रबन्धक

[विज्ञापन III/IV/290/2003/असा.]

INDIAN BANK**NOTIFICATION**

Chennai, the 9th December, 2003

Indian Bank General (Amendment) Regulations, 2003

BS/LKN/781/2003-04.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980, (5 of 1970)/(4 of 1980), the Board of Directors of Indian Bank after consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following amendments further to amend Indian Bank General Regulations, 1999, namely :—

CHAPTER – I**INTRODUCTORY****1. Short title and commencement –**

- (i) These regulations may be called the **Indian Bank General (Amendment) Regulations, 2003.**
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the **Official Gazette.**
- (iii) **Indian Bank General Regulations, 1999 shall be renamed as Indian Bank (Shares and Meetings) Regulations 1999.**

2. Definitions – In these regulations, unless there is anything repugnant to the subject or context or meaning thereof –

- (a) “Act” means the **Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 / 1980 (5 of 1970) / (4 of 1980);**
- (b) “Bank” means **Indian Bank constituted under Section 3 of the Act;**
- (c) “Board” means the **Board of Directors constituted under Section 9 of the Act;**

- (d) **“Chairman” means the Chairman of the Board;**
- (e) **“Committee” means a Committee constituted under regulation “2A”**
- (f) **“Executive Director” means the wholetime Director, not being the Managing Director;**
- (g) **“General Manager “ means General Manager of the Bank;**
- (h) **“Management Committee” means a Committee constituted under Clause 13 of the Scheme;**
- (i) **“Managing Director” means Managing Director of the Bank;**
- (j) **“Register” means the register of Shareholders kept in one or more books of the Bank and includes the register of Shareholders kept in computer floppies or diskettes under sub-section (2G) of Section 3 of the Act; and register of beneficial owners maintained by and depository under section 11 of the Depository Act, 1996 (22 of 1996) ;**
- (k) **“Registrar” means the person appointed by the Bank for-**
 - (i) **Collecting applications from investors in respect of an issue,**
 - (ii) **Keeping a proper record of applications and monies received from investors or paid to the seller of the securities,**
 - (iii) **Assisting the Bank in –**
 - (a) **Determining the basis of allotment of securities in consultation with the stock exchange,**
 - (b) **Finalising the list of persons entitled to allotment of securities,**
 - (c) **Processing and despatching allotment letters, refund orders or certificates and other related documents in respect of the issue, and**
 - (iv) **Such other function as assigned from time to time by the Bank,**
- (l) **“Scheme” means the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970;**

- (m) "Share" means share in the Share Capital of the Bank;
 - (n) "Share transfer agent" includes –
 - (i) any person, who on behalf of the Bank maintains the records of holders of securities issued by the Bank and deals with all matters connected with the transfer and redemption of its securities, or
 - (ii) a department or division (by whatever name called) of the Bank performing the activities referred in sub -clause (i);
 - (o) words and expressions used in Chapter III and not defined in these Regulations but defined in the Depositories Act, 1996 (Act 22 of 1996), shall have the meaning respectively assigned to them in the said Act.
 - (p) other expressions used and not defined in these regulations but used in the Act or the Scheme shall have the meanings respectively assigned to them in the Act or the Scheme;
- 2A. (i) Except as provided in Clause (ii) of regulation 59, the Board may constitute, as and when necessary, a Committee consisting of the Chairman and Managing Director or in his absence Executive Director and two other directors as it may deem fit, for the purposes of these regulations;
- (ii) The Committee constituted under this regulation shall observe such rules of procedure as may be specified by the Board.

CHAPTER II

SHARES AND SHARE REGISTER

3. Nature of shares

The shares of Indian Bank shall be movable property, transferable in the manner provided under these regulations.

4. Kinds of Share Capital

- (i) **Preference Share Capital** means that part of share capital of Indian Bank which fulfils both the following conditions: -
- (A) as respects dividends, it carries a preferential right to be paid a fixed amount or an amount calculated at fixed rate, which may be either free of or subject to income tax and
 - (B) as respect capital, it carries or will carry , on winding up to repayment of capital, a preferential right to be repaid the amount of the capital paid-up or deemed to have been paid-up, whether or not there is preferential right to the payment of either or both of the following amounts, namely:-
 - (a) any money remaining unpaid, in respect of the amounts specified in clause (A) upto the date of winding up or repayment of capital, and
 - (b) any fixed premium or premium on any fixed scale, specified by the Board with the previous consent of the Central Government.
- (ii) **"Equity Share Capital"** means all share capital, which is not preference share capital.
- (iii) The expressions **"Preference Share"** and **"Equity Share"** shall be construed accordingly.

5. Particulars to be entered in the register:

- (i) A share register shall be kept, maintained and updated in accordance with sub section 2 (F) of Section 3 of the Act.
- (ii) In addition to the particulars specified in sub-section 2 (F) of Section 3 of the Act, such other particulars as the Board may specify shall be entered in the register.
- (iii) In the case of joint holders of any share, their names and other particulars required by sub-regulation (i) shall be grouped under the name of the first of such joint holders.

- (iv) Subject to the proviso of sub-section 2 (D) of Section 3 of the Act, a shareholder resident outside India may furnish to the Bank an address in India, and any such address shall be entered in the register and be deemed to be his registered address for the purposes of the Act and these regulations.
- 5A. (i) The Bank shall, unless the register is in such form as in itself to constitute an index, keep an index, which may be in form of a card index of the names of shareholders and shall, within fourteen days after the date on which any alteration is made in the register of shareholders, make the necessary alteration in the index.
- (ii) The index shall be kept with the register of shareholders.
6. Control over shares and registers –
- Subject to the provisions of the Act and these regulations, and such directions as the Board may issue from time to time, the register shall be kept and maintained at the head office of Indian Bank and be under the control of the Board and the decision of the Board as to whether or not a person is entitled to be registered as a shareholder in respect of any share shall be final.
7. Parties who may not be registered as shareholders:-
- (i) Except as otherwise provided in these regulations, all persons who are not competent to contract shall not be entitled to be registered as a shareholder and the decision of the Board in this regard shall be conclusive and final.
- (ii) In case of partnership firms, shares may be registered in the names of the individual partners and no firm, as such, shall be entitled to be registered as a shareholder.
8. Maintenance of share register in computer system, etc.-
- (i) The particulars required to be entered in the share register under sub-section, 2 (F) of Section 3 of the Act, read with those mentioned in regulation 5, shall be maintained under sub-section 2(G) of Section 3 of the Act, in the form of data stored in magnetic / optical / magneto-optical media by way of diskettes, floppies, cartridges or otherwise (hereinafter referred to as the "media") in computers to be maintained at the Head Office and the back up at

such location as may be decided from time to time by the Chairman and Managing Director or any other official not below the rank of a General Manager designated in this behalf by the Chairman and Managing Director (hereinafter referred to as the "designated official").

- (ii) Particulars required to be entered in the share register under Section 3 (B) of the Act read with Section 11 of the Depositories Act, 1996 shall be maintained in the electronic form in the manner and in the form as prescribed therein.
- (iii) The register in electronic form shall be maintained subject to such safeguards as stipulated for securing electronic records under the Information Technology Act, 2000 (21 of 2000).

9. Safeguards for protection of computer system:

- (i) The access to the system set out in Regulation 8 (i) in which data is stored shall be restricted to such persons including Registrars to an issue and / or share transfer agents as may be authorised in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official and the passwords if any, and the electronic security control systems shall be kept confidential under the custody of the said persons.
- (ii) The access by the authorised persons shall be recorded in logs by the computer system and such logs shall be preserved with the officials / persons designated in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official.
- (iii) Copies of the back-ups shall be taken on removable media at intervals as may be specified from time to time by the Chairman and Managing Director or the designated official, incorporating the changes made in the register of shareholders. Atleast one of these copies shall be stored in a location other than the premises in which processing is being done. This copy shall be stored in a fire-proof environment with locking arrangement and at the requisite temperature. The access to the back-ups in both the locations shall be restricted to persons authorised in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official. The persons so authorised shall record the access in a manual register kept at the location.

- (iv) It shall be the duty of the authorised persons to compare the data on the back-ups with that on the computer system by using appropriate software to ensure correctness of the back-up. The result of this operation shall be recorded in the register maintained for the purpose.
- (v) It shall be competent for the Chairman and Managing Director, by special or general order, to add or modify the instructions, stipulations in regard to the safeguards to be observed in maintaining the register of the shareholders in the computer system with due regard to the advancement of technology, and / or in the exigencies of situation or for any other relevant consideration.

10. Exercise of rights of joint holders

If any share stands in the names of two or more persons, the person first named in the register shall, as regards voting, receipt of dividends, service of notices and all or any other matters connected with Indian Bank except the transfer of shares, be deemed to be the sole holder thereof.

11. Inspection of register

- (i) The register shall, except when closed under Regulation 12, be open to inspection of any shareholder, free of charge, at the place where it is maintained during business hours subject to such reasonable restrictions as the Board may impose, but so that not less than two hours in each working day shall be allowed for inspection.
- (ii) Any shareholder may make extracts of any entry in the register or computer print free of charge or if he requires a copy of the Register or computer prints or of any part thereof, the same will be supplied to him on pre-payment at the rate of Rs.5/- or at such rate as the Board may decide for every 1000 words or fractional part thereof required to be copied.
- (iii) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (ii), any duly authorised officer of the Government shall have the right to make a copy of any entry in the register or be furnished a copy of the register or any part thereof.

12. Closing of the register

The Bank may, after ensuring compliance of the applicable guidelines and the listing agreement with the Stock Exchanges, and after giving not less than seven days previous notice by advertisement in atleast two newspapers circulating in India, close the register of shareholders for any period or periods not exceeding in the aggregate forty-five days in each year, but not exceeding thirty days at any one time as may in its opinion, be necessary.

13. Share Certificates

- (i)** Each share certificate shall bear share certificate number, a distinctive number, the number of shares in respect of which it is issued and the name of the shareholder to whom it is issued and it shall be in such form as may be specified by the Board.
- (ii)** Every share certificate shall be issued under the common seal of the Bank in pursuance of a resolution of the Board and shall be signed by two directors and some other officer not below the rank of Scale II or the Company Secretary appointed by the Board for the purpose.

Provided that the signature of the directors may be printed, engraved lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.

- (iii)** A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.
- (iv)** No share certificate shall be valid unless and until it is so signed. Share Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign share certificates on behalf of the Bank.

14. Issue of share certificates

- (i) While issuing share certificates to any shareholder, it shall be competent for the Board to issue the certificates on the basis of one certificate for every hundred shares or multiples thereof registered in his name on any one occasion and one additional share certificate for the number of shares in excess thereof but which are less than hundred.
- (ii) If the number of shares to be registered is less than hundred, one certificate shall be issued for all the shares.
- (iii) In respect of any share or shares held jointly by several persons, the Bank shall not be bound to issue more than one certificate, and delivery of a certificate for a share to one of several joint holders shall be sufficient delivery to all such holders.

15. Issue of new or duplicate share certificate

- (i) If any share certificate is worn out or defaced, the Board or the Committee designated by it on production of such certificate may order the same to be cancelled and have a new certificate issued in lieu thereof.
- (ii) If any share certificate is alleged to be lost or destroyed, the Board or the committee designated by it on such indemnity with or without surety as the Board or the committee thinks fit, and on publication in two newspapers and on payment to Indian Bank of its costs, charges and expenses, a duplicate certificate in lieu thereof may be given to the person entitled to such lost or destroyed certificate.

16. Consolidation and sub-division of shares

On a written application made by the shareholder(s), the Board or the Committee designated by it may consolidate or sub-divide the shares submitted to it for consolidation / sub-division as the case may be and issue a new certificate(s) in lieu thereof on payment to the Bank of its costs, charges and expenses of any incidental to the matter.

17. Transfer of shares

- (i) Every transfer of the shares of the Bank shall be by an instrument of transfer in form 'A' annexed hereto or in such other form as may be approved by the Bank from time to time and shall be duly stamped, dated and executed by or on behalf of the transferor and the transferee alongwith the relative share certificate.
- (ii) The instrument of transfer alongwith the share certificate shall be submitted to the Bank at its Head Office and the transferor shall be deemed to remain the holder of such shares until the name of the transferee is entered in the share register in respect thereof.
- (iii) Upon receipt by the Bank of an instrument of transfer alongwith a share certificate with a request to register the transfer, the Board or the Committee designated by the Board shall forward the said instrument of transfer alongwith share certificate to the Registrar or Share Transfer Agent for the purposes of verification that the technical requirements are complied with in their entirety. The Registrar or Share Transfer Agent shall return the instrument of transfer along with the share certificate, if any, to the transferee for resubmission unless the instrument of transfer is presented to the bank, duly stamped and properly executed for registration and is accompanied by the certificate of the shares to which it relates and such other evidence as the Board may require to show the title of the transferor to make such transfer.

Explanation:- "Technical requirements" means

- (a) Transfer deed shall be duly stamped;
- (b) Certificate number or distinctive number mentioned in the transfer deed shall tally with the share certificate;
- (c) Transferor's signature shall tally;
- (d) Transfer deed shall be witnessed.

- (iv) The Board or the Committee designated by the Board shall, unless it refuses to register the transfer under regulation 19 hereinafter, cause the transfer to be registered.
- (v) Unless the transfer of shares is refused under regulation 19, the share certificate duly transferred shall be delivered to the transferee within sixty days from the date of lodging of the instrument of transfer.

18. Power to suspend transfers

The Board or the committee designated by the Board shall not register any transfer during any period in which the register is closed.

19. Board's right to refuse registration of transfer of shares

- (i) The Board or Committee may refuse transfer of any shares in the name of the transferee on any one or more of the following grounds, and on no other grounds:-
 - (a) the transfer of shares is in contravention of the provisions of the Act or regulations made thereunder or any other law or that any other requirement under the law relating to registration of such transfer has not been complied with;
 - (b) the transfer of shares, in the opinion of the Board, is prejudicial to the interests of the Bank or to public interest;
 - (c) the transfer of shares is prohibited by an order of court, Tribunal or any other authority under any law for the time being in force.
 - (d) An individual or company resident outside India or any company incorporated under any law not in force in India or any branch of such company whether resident outside India or not will on the transfer being allowed hold or acquire as a result thereof shares of the Bank and such investment in the aggregate will exceed the percentage being more than 20% (twenty) of the paid up capital or as may be specified by the Central Government by notification in the Official Gazette.

- (ii) The Board or Committee shall, after the instrument of transfer of shares of the Bank is lodged with it for the purpose of registration of such transfer form its opinion as to whether such registration ought or ought not to be refused on any of the grounds referred to in sub-regulation (i) –

 - (a) If it has formed the opinion that such registration ought not to be so refused, effect such registration; and
 - (b) If it has formed the opinion that such registration ought to be refused on any of the grounds mentioned in sub-regulation (i) intimate the same to the Transferor and the Transferee by notice in writing giving reasons for such refusal within 60 days from the receipt of transfer form or within such period as may be laid down in the Listing Agreement with the concerned Stock Exchange.
20. Transmission of shares in the event of death, insolvency etc.:
- (i) The executors or administrators of a deceased shareholder in respect of a share, or the holder of letter of probate or letters of administration with or without the will annexed or a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925, or the holder of any legal representation or a person in whose favour a valid, instrument of transfer was executed by the deceased sole holder during the latter's lifetime shall be the only person who may be recognised by Indian Bank as having any title to such share.
 - (ii) In the case of shares registered in the name of two or more shareholders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors or administrators or any person who is the holder of letters of probate or letters of administration with or without will annexed or a succession certificate or any other legal representation in respect of such survivor's interest in the share or a person in whose favour a valid instrument of transfer of share was executed by such person and such last survivor during the latter's lifetime, shall be the only person who may be recognised by Indian Bank as having any title to such share.

- (iii) Indian Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration or succession certificate, as the case may be, from a court of competent jurisdiction.

Provided, however, that in a case where the Board in its discretion thinks fit, it shall be lawful for the Board to dispense with the production of letters of probate or letters of administration or succession certificate or such other legal representation, upon such terms as to indemnity or otherwise as it may think fit.

- (iv) Any such person becoming entitled to a share in consequence of death of a shareholder and any person becoming entitled to a share in consequence of the insolvency, Bankruptcy or liquidation of a shareholder shall upon production of such evidence, as the Board may require, have the right –

- (a) to be registered as a shareholder in respect of such share.
(b) to make such transfer of such share as the person from whom he derives title could have made.

21. Shareholder ceasing to be qualified for registration

It shall be the duty of any person registered as a shareholder, whether solely or jointly with another or others forthwith upon ceasing to be qualified to be so registered in respect of any share to give intimation thereof to the Board of Directors in this regard.

Explanation – For the purposes of this regulation, a shareholder may cease to be qualified for registration,-

- (a) If he is a guardian of minor, on the minor attaining the majority;
(b) If he is holding shares as a Karta, on his ceasing to be a Karta.

22. Calls on shares

The Board may, from time to time, make such calls as it thinks fit upon the shareholders in respect of all monies remaining unpaid on the shares held by them, which are by the conditions of allotment not made payable at fixed times, and each shareholder shall pay the amount of every call so made on him to the person and at the time and place appointed by the Board. A call may be payable by instalments.

23. Calls to date from resolution

A call shall be deemed to have been made at the time when the resolution of the Board authorising such call was passed and may be made payable by the shareholders on the register on such date or at the discretion of the Board on such subsequent date as may be fixed by the Board.

24. Notice of call

A notice of not less than thirty days of every call shall be given specifying the time of payment provided that before the time for payment of such call the Board may by notice in writing to the shareholders revoke the same.

25. Extension of time for payment of call

The Board may, from time to time and at its discretion, extend the time fixed for the payment of any call to all or any of the shareholders having regard to distance of their residence or some other sufficient cause, but no shareholder shall be entitled to such extension as a matter of right.

26. Liabilities of joint holders

The joint holders of a share shall be jointly and severally liable to pay all calls in respect thereof.

27. Amount payable at fixed time or by instalments as calls

If by the terms of issue of any share or otherwise any amount is payable at any fixed time or by instalments at fixed times, every such amount or instalment shall be payable as if it were a call duly made by the Board and of which due notice had been given and all the provisions herein contained in respect of the calls shall relate to such amount or instalment accordingly.

28. When interest on call or instalment payable

If the sum payable in respect of any call or instalments is not paid on or before the day appointed for payment thereof, the holder for the time being or allottee of the share in respect of which a call shall have been made, or the instalment shall be due, shall pay interest on such sum at such rate as the Board may fix from time to time, from the day appointed for the payment thereof to the time of actual payment, but the Board may at its discretion waive payment of such interest wholly or in part.

29. Non-payment of calls by shareholder

No shareholder shall be entitled to receive any dividend or to exercise any right of a shareholder until he shall have paid all calls for the time being due and payable on every share held by him, whether singly or jointly with any person, together with interest and expenses, as may be levied or charged.

30. Notice on non-payment of call or instalment

If any shareholder fails to pay the whole or any part of any call or instalment or any money due in respect of any shares either by way of principal or interest on or before the day appointed for the payment of the same, Indian Bank may at any time thereafter during such time as the call or instalment or any part thereof or other monies remain unpaid or a judgement or decree in respect thereof remains unsatisfied in whole or in part, serve a notice on such shareholder or on the person (if any) entitled to the share by transmission , requiring him to pay such call or instalment or such part thereof or other monies as remain unpaid together with any interest that may have accrued and all expenses (legal or otherwise) that may have been paid or incurred by Indian Bank by reason of such non-payment.

31. Notice of Forfeiture

The notice of forfeiture shall name a day not being less than fourteen days from the date of notice and the place or places on and at which such call or instalment or such part or other monies and such interest and expenses as aforesaid are to be paid. The notice shall also state that in the event of non-payment on or before the time and at the place appointed, the share in respect of which the call was made or instalment is payable will be liable to be forfeited.

32. Shares to be forfeited on default

If the requirements of any such notice as aforesaid are not complied with, any of the shares in respect of which such notice has been given may at any time thereafter for non-payment of all calls or instalments, interest and expenses or the money due in respect thereof, be forfeited by a resolution of the board to that effect at its next meeting to be held after the expiry of the notice of forfeiture under regulation 31. Such forfeiture shall include all dividends declared in respect of the forfeited shares and not actually paid before the forfeiture.

33. Entry of forfeiture in the register

When any share has been forfeited under regulation 32, an entry of the forfeiture with the date thereof shall be made in the register.

34. Forfeited shares to be property of Indian Bank and may be sold

Any share so forfeited shall be deemed to be the property of Indian Bank and may be sold, reallocated or otherwise disposed of to any person upon such terms and in such manner as the Board may decide.

35. Power to annul forfeiture

The Board may, at any time, before any share so forfeited under regulation 32 shall have been sold, reallocated or otherwise disposed of, annul the forfeiture thereof upon such conditions, as it may think fit.

36. Shareholder liable to pay money owing at the time of forfeiture and interest

Any shareholder whose shares have been forfeited shall, notwithstanding the forfeiture, be liable to pay and shall forthwith pay to Indian Bank all calls, instalments, interest, expenses and other monies owing upon or in respect of such shares at the time of forfeiture with interest thereon from the time of forfeiture until payment at such rate as may be specified by the Board and the Board may enforce the payment of the whole or a portion thereof.

37. Partial payment not to preclude forfeiture

Neither a judgement nor a decree in favour of Indian Bank for calls or other monies due in respect of any shares nor any payment or satisfaction thereunder nor the receipt by Indian Bank of a portion of any money which shall be due from any shareholder from time to time in respect of any shares either by way of principal or interest nor indulgence granted by Indian Bank in respect of payment of any money shall preclude the forfeiture of such shares under these regulations.

38. Forfeiture of share extinguishes all claims against Bank

The forfeiture of a share shall involve extinction, at the time of the forfeiture, of all interest in and all claims and demands against the Bank, in respect of the share and all other rights incidental to the share, except only such of those rights as by these presents expressly waived.

39. Original shares null and void on sale, re - issue, re - allotment or disposal on being forfeited

Upon any sale, re-issue, re-allotment or other disposal under the provisions of the preceding regulations, the certificate(s) originally issued in respect of the relative shares shall (unless the same shall on demand by the Bank have been previously surrendered to it by the defaulting member) stand cancelled and become null and void and of no effect, the Board shall be entitled to issue a new certificate or certificates in respect of the said shares to the person or persons entitled thereto.

40. Application of forfeiture provisions

The provisions of these regulations as to the forfeiture shall apply in the case of non-payment of any sum which by terms of issue of a share become payable at a fixed time, whether on account of nominal value of the shares or by way of premium as if the same had been payable by virtue of a call duly made.

41. Lien on shares**(i) The Bank shall have a first and paramount lien**

- (a) on every share (not being a fully-paid share), for all monies (whether presently payable or not) called, or payable at a fixed time, in respect of that share;**
- (b) on all shares (not being fully-paid shares) standing registered in the name of a single person , for all monies presently payable by him or his estate to the Bank.**
- (c) Upon all the shares registered in the name of each person (whether solely or jointly with others) and upon the proceeds of sale thereof for his debts; liabilities , and engagements, solely or jointly with any other person to or with the Bank, whether the period for the payment, fulfillment, or discharge thereof shall have actually arrived or not and no equitable interest in any share shall be recognised by the Bank over its lien.**

Provided that the Board of Directors may at any time declare any share to be wholly or in part exempt from the provisions of this clause.

- (ii) The Bank's lien , if any , on a share shall extend to all dividends payable thereon.**

42. Enforcing Lien by Sale of Shares

- (i) The Bank may sell, in such manner as the Board thinks fit, any shares on which the company has a lien:**
 - (a) if a sum in respect of which the lien exists is presently payable, and**
 - (b) after the expiration of fourteen days after a notice in writing stating and demanding payment of such part of the amount in respect of which the lien exists as is presently payable, has been given to the registered holder for the time being of the share or the person entitled thereto by reason of his death or insolvency.**
- (ii) to give effect to any such sale, the Board may authorise some officer to transfer the shares sold to the purchaser thereof.**

43. Application of proceeds of sale of shares

The net proceeds of any sale of shares under regulation 42 after deduction of costs of such sale, shall be applied in or towards the satisfaction of the debt or liability in respect whereof the lien exists so far as the same is presently payable and the residue, if any, be paid to the shareholders or the person, if any, entitled by transmission to the shares so sold.

44. Certificate of forfeiture

A certificate in writing under the hands of any director, or Company Secretary or any other officer of the Bank not below the rank of Scale II of Indian Bank duly authorised in this behalf, that the call in respect of a share was made and that the forfeiture of the share was made by a resolution of the Board to that effect, shall be conclusive evidence of the fact stated therein as against all persons entitled to such shares.

45. Title of purchaser and allottee of forfeited share

Indian Bank may receive the consideration, if any, given for the share on any sale, reallocation or other disposition thereof and the person to whom such share is sold, reallocated or disposed of may be registered as the holder of the share and shall not be bound to see to the application of the consideration, if any, nor shall his title to the share be affected by any irregularity or invalidity in the proceedings in reference to the forfeiture, sale, reallocation or other disposal of the share and the remedy of any person aggrieved by the sale shall be in damages only and against Indian Bank exclusively.

46. Service of a notice or document to shareholders

- (i) The Bank may serve a notice or a document on any shareholder either personally, or by ordinary post at his registered address or if he has not registered address in India, at the address, if any, within India supplied by him to the Bank for giving of notice to him.
- (ii) Where a document or a notice is sent by post, the service of such document or notice shall be deemed to be effected by properly addressing, prepaying and posting a letter containing the document or notice:

Provided that where a shareholder has intimated to the Bank in advance that documents should be sent to him under a certificate of posting or by registered post, with or without acknowledgement due or by courier service or in an electronic mode and has deposited with the Bank a sum sufficient to defray the expenses of doing so, service of the document or notice shall not be deemed to be effected unless it is sent in the manner intimated by the shareholder. And such service shall be deemed to have been effected in the case of a notice of a meeting at the expiration of forty eight hours after the letter containing the same is posted, and in any other case, at the time at which the letter would have been delivered in the ordinary course of post or electronic media, as the case may be.

- (iii) A notice or a document advertised in a newspaper widely circulated in India shall be deemed to be duly served on the day on which the advertisement appears on every shareholder of the bank who has no registered address in India and has not supplied to the Bank an address within India for giving of notice to him.
- (iv) A notice or document may be served by the Bank on the joint holder of a share by effecting service on the joint holder named first in the register in respect of the share and notice so given shall be sufficient notice to all the holders of the said shares.
- (v) A notice or a document may be served by the Bank on the persons entitled to a share upon death or in consequence of the insolvency of a shareholder by sending it through post in a prepaid letter addressed to them by name, or by the title of representatives of the deceased, or assignees of the insolvent, or by any like description, at the address, if any, in India supplied for the purpose by the persons, claiming to be so entitled; or until such an address has been so supplied, by serving the document in any manner in which it might have been served if the death or insolvency had not occurred.
- (vi) The signature to any notice to be given by the Indian Bank may be written or printed.

CHAPTER III

SECURITIES OF THE BANK HELD IN A DEPOSITORY

47. Agreement between a depository and the Bank

The Bank may enter into an agreement with one or more depository as defined in section 2(e) of the Depositories Act, 1996 to avail of its services in respect of securities issued by the Bank.

CHAPTER IV

MEETINGS OF SHAREHOLDERS

48. Notice convening an Annual General Meeting

- (i) A notice convening an annual general meeting of the shareholders signed by the Chairman and Managing Director or Executive Director or any officer not below the rank of Scale VII or Company Secretary of Indian Bank shall be published at least twenty one clear days before the meeting in not less than two daily newspapers having wide circulation in India.
- (ii) Every such notice shall state the time, date and place of such meeting, and also the business that shall be transacted at that meeting.
- (iii) The time and date of such meeting shall be as specified by the Board. The meeting shall be held at the place of head office of Indian Bank.

49. Extraordinary General Meeting

- (i) The Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director of the Bank or in his absence any one of the Directors of the Bank may convene an Extra Ordinary General Meeting of shareholders if so directed by the Board, or on a requisition for such a meeting having been received either from the Central government or from other shareholders holding shares, carrying, in the aggregate, not less than ten percent of the total voting rights of all the shareholders.

- (ii) The requisition referred in sub-regulation (i) shall state the purpose for which the Extra Ordinary General Meeting is required to be convened, but may consist of several documents in like form each signed by one or more of the requisitionists.
- (iii) Where two or more persons hold any shares jointly, the requisition or a notice calling a meeting, signed by one or some of them shall, for the purpose of this regulation have the same force and effect as if it had been signed by all of them.
- (iv) The time, date and place of the Extra Ordinary General Meeting shall be decided by the Board.

Provided that the Extra Ordinary General Meeting convened on the requisition by the Central Government or other shareholder shall be convened not later than 45 days of the receipt of the requisition.

- (v) If the Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director, as the case may be, does not convene a meeting as required by sub-regulation (i) within the period stipulated in the proviso to sub-regulation (iv), the meeting may be called by the requisitionist themselves within three months from the date of the requisition:

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to prevent a meeting duly convened before the expiry of the period of three months aforesaid, from being adjourned to some day after the expiry of that period.

- (vi) A meeting called under sub-regulation (v) by the requisitionist shall be called in the same manner, as nearly as possible as that in which the other general meetings are called by the Board.

50. Quorum of general meeting

- (i) No business shall be transacted at any meeting of the shareholders unless quorum of at least five shareholders entitled to vote at such meeting in person are present at the commencement of such business.

- (ii) If within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, in the case of a meeting called by a requisition of shareholders other than the Central Government, the meeting shall stand dissolved.
- (iii) In any other case if within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week, at the same time and place or to such other day and such other time and place as the Chairman may determine. If at the adjourned meeting a quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such adjourned meeting shall be quorum and may transact the business for which the meeting was called:

Provided that no annual general meeting shall be adjourned to a date later than the date within which such annual general meeting shall be held in terms of section 10A (1) of the Act and if adjournment of the meeting to the same day in the following week would have this effect, the annual general meeting shall not be adjourned but the business of the meeting shall be commenced within one hour from the time appointed for the meeting if the quorum is present or immediately after the expiry of one hour from that time and those shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such time shall form the quorum.

51. Chairman at general meeting

- (i) The Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director or in his absence such one of the directors as may be generally or in relation to a particular meeting be authorised by the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director in this behalf, shall be the chairman of the meeting and if the Chairman and Managing Director or the Executive Director or any other director authorised in this behalf is not present, the meeting may elect any other director present to be the chairman of the meeting.

- (ii) The chairman of the general meeting shall regulate the procedure at general meetings and in particular shall have power to decide the order in which the shareholders may address the meeting to fix a time limit for speeches, to apply the closure, when in his opinion, any matter has been sufficiently discussed and to adjourn the meeting.

52. Persons entitled to attend general meetings

- (i) All directors and all shareholders of Indian Bank shall, subject to the provisions of sub-regulation (ii), be entitled to attend a general meeting.
- (ii) A shareholder (not being the Central Government) or a Director, attending a general meeting shall for the purpose of identification and to determine his voting rights, be required to sign and deliver to the Bank a form to be specified by the chairman containing particulars relating to –
 - (a) his full name and registered address;
 - (b) the distinctive numbers of his shares;
 - (c) whether he is entitled to vote and the number of votes to which he is entitled in person or by proxy or as a duly authorised representative.

53. Voting at general meetings

- (i) At any general meeting, a resolution put to the vote of the meeting shall, unless a poll is demanded be decided on a show of hands.
- (ii) Save as otherwise provided in the Act every matter submitted to a general meeting shall be decided by a majority of votes.
- (iii) Unless a poll is demanded under sub-regulation (i), a declaration by the Chairman of the meeting that a resolution on show of hands has or has not been carried either unanimously or by a particular majority and an entry to that effect in the books containing the minutes of the proceedings, shall be conclusive evidence of the fact,

without proof of the number or proportion of the votes cast in favour of, or against, such resolution.

- (iv) Before or on the declaration of the result of the voting on any resolution on a show of hands, a poll may be ordered to be taken by the chairman of the meeting of his own motion, and shall be ordered to be taken by him on a demand made in that behalf by any shareholder or shareholders present in person or by proxy and holding shares in Indian Bank which confer a power to vote on the resolution not being less than one fifth of the total voting power in respect of the resolution.
- (v) The demand for a poll may be withdrawn at any time by the person or persons who made the demand.
- (vi) A poll demanded on a question of adjournment or election of chairman of the meeting shall be taken forthwith.
- (vii) A poll demanded on any other question shall be taken at such time not being later than forty-eight hours from the time when the demand was made, as the chairman of the meeting may direct.
- (viii) The decision of the chairman of the meeting as to the qualification of any person to vote, and also in the case of poll, as to the number of votes any person is competent to exercise shall be final.

53 A Scrutineers at Poll

- (i) Where a poll is to be taken, the Chairman of the meeting shall appoint two scrutineers to scrutinize the votes given on the poll and to report thereon to him.
- (ii) The Chairman of the meeting shall have the power, at any time before the result of the poll is declared, to remove a scrutineers from the office and to fill the vacancy in the office of the scrutineers arising from such removal or from any other cause.

- (iii) Of the two scrutineers appointed under this regulation one shall always be a shareholder (not being an Officer or employee of the Bank) present at the meeting: provided that such a shareholder is available and willing to be appointed.

53 B Manner of taking poll and result thereof

- (i) The Chairman of the meeting shall have power to regulate the manner in which a poll shall be taken.
- (ii) The result of the poll shall be deemed to be the decision of the meeting on the resolution on which the poll was taken.

54. Minutes of general meetings

- (i) Indian Bank shall cause the minutes of all proceedings to be maintained in the books kept for the purpose.
- (ii) Any such minutes, if purporting to be signed by the chairman of the meeting at which the proceedings were held, or by the chairman of the next succeeding meeting, shall be evidence of the proceedings.
- (iii) Until the contrary is proved, every general meeting in respect of the proceedings hereof minutes have been so made shall be deemed to have been duly called and held, and all proceedings held thereat to have been duly held.
- (iv) On written request made by a shareholder for inspection of the minute book or for a copy of the minute of a specified meeting, the Bank shall allow the inspection or furnish the copy of the minute, as the case may be, to the shareholder.

CHAPTER V

ELECTION OF DIRECTORS

55. Directors to be elected at general meeting

- (i) A director under clause (i) of sub-section (3) of Section 9 of the Act shall be elected by the shareholders on the register, other than the Central Government, from amongst themselves in the general meeting of Indian Bank.

- (ii) Where an election of a director is to be held at any general meeting, the notice thereof shall be included in the notice convening the meeting. Every such notice shall specify the number of directors to be elected and the particulars of vacancies in respect of which the election is to be held.

56. List of shareholders

- (i) For the purpose of election of a director under sub - regulation (i) of Regulation 63 of these regulations, a list shall be prepared of shareholders on the register by whom the director is to be elected.
- (ii) The list shall contain the names of the shareholders, their registered addresses, the number and denoting numbers of shares held by them with the dates on which the shares were registered and the number of votes to which they will be entitled on the date fixed for the meeting at which the election will take place and copies of the list shall be available for purchase at least three weeks before the date fixed for the meeting at a price to be fixed by the Board or the Management Committee, on application at the Head Office.

57. Nomination of candidates for election

- (i) No nomination of a candidate for election as a director shall be valid unless,
 - (a) he is a shareholder holding not less than 100 (one hundred) shares in Indian Bank.
 - (b) he is on the last date for receipt of nomination, not disqualified to be a director under the Act or under the Scheme;
 - (c) he has paid all calls in respect of the shares of the Bank held by him, whether alone or jointly with others, on or before the last date fixed for the payment of the call;
 - (d) the nomination is in writing signed by at least one hundred shareholders entitled to elect directors under the Act or by their duly constituted attorney, provided that a nomination by a shareholder who is a company may be made by a resolution of the directors of the said company and where it

is so made, a copy of the resolution certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it is was passed shall be despatched to the Head Office of Indian Bank and such copy shall be deemed to be a nomination on behalf of such company;

- (e) the nomination accompanies or contains a declaration signed by the candidate before a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-registrar of Assurances or other Gazetted officer or an officer of the Reserve Bank of India or any nationalised Bank, that he accepts the nomination and is willing to stand for election, and that he is not disqualified either under the Act or the Scheme or these regulations from being a director.
- (ii) No nomination shall be valid unless it is received with all the connected documents complete in all respects and received, at the Head Office of Indian Bank on a working day not less than fourteen days before the date fixed for the meeting.

58. Scrutiny of nominations

- (i) Nominations shall be scrutinised on the first working day following the date fixed for receipt of the nominations and in case any nomination is not found to be valid, the same shall be rejected after recording the reason therefor. If there is only one valid nomination for any particular vacancy to be filled by election, the candidate so nominated shall be deemed to be elected forthwith and his name and address shall be published as so elected. In such an event there shall not be any election at the meeting convened for the purpose and if the meeting had been called solely for the purpose of the aforesaid election, it shall stand cancelled.
- (ii) In the event of an election being held, if valid nominations are more than the number of directors to be elected, the candidate polling the majority of votes shall be deemed to have been elected.
- (iii) A director elected to fill an existing vacancy shall be deemed to have assumed office from the date following that on which he is, or is deemed to be elected.

59. Election disputes

- (i) If any doubt or dispute shall arise as to the qualification or disqualification of a person deemed, or declared to be elected, or as to the validity of the election of a director, any person interested, being a candidate or shareholder entitled to vote at such election, may, within seven days of the date of the declaration of the result of such election, give intimation in writing thereof to the Chairman and Managing Director of Indian Bank and shall in the said intimation give full particulars of the grounds upon which he doubts or disputes the validity of the election.
- (ii) On receipt of an intimation under sub-regulation (i) , the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director of Indian Bank shall forthwith refer such doubt or dispute for the decision of a committee consisting of the Chairman and Managing Director or in his absence , the Executive Director and any two of the directors nominated under clauses (b) and (c) of sub section 3 of Section 9 of the Act.
- (iii) The committee referred to in sub-regulation (ii) shall make such enquiry as it deems necessary and if it finds that the election was a valid election it shall confirm the declared result of the election or, if it finds that the election was not a valid election it shall, within 30 days of the commencement of the enquiry, make such order and give such directions including the holding of fresh election as shall in the circumstances appear just to the committee.
- (iv) An order and direction of such committee in pursuance of this regulation shall be conclusive.

CHAPTER VI**VOTING RIGHTS OF SHAREHOLDERS****60. Determination of voting rights**

- (i) Subject to the provisions contained in section 3 (2E) of the Act, each shareholder who has been registered as a shareholder on the date of closure of the register prior to the date of a general meeting

shall, at such meeting, have one vote on show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him.

- (ii) Subject to the provisions contained in Section 3 (2E) of the Act, every shareholder entitled to vote as aforesaid who, not being a company, is present in person or by proxy or who being a company is present by a duly authorised representative, or by proxy shall have one vote on a show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him as stated hereinabove in sub-regulation (i).

Explanation—For this Chapter, 'Company' means any body corporate

- (iii) Shareholders of the Bank entitled to attend and vote at a general meeting shall be entitled to appoint another person (whether a shareholder or not) as his proxy to attend and vote instead of himself, but a proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting.

61. Voting by duly authorised representative

- (i) A shareholder, being the Central Government or a company, may by a resolution, as the case may be, authorise any of its officials or any other person to act as its representative at any general meeting of the shareholders and the person so authorised (referred to as a 'duly authorised representative' in these regulations) shall be entitled to exercise the same powers on behalf of the Central Government or company which he represents, as if he were an individual shareholder of the Indian Bank. The authorisation so given may be in favour of two persons in the alternative and in such a case any one of such persons may act as the duly authorised representative of the Central Government / company.
- (ii) No person shall attend or vote at any meeting of the shareholders of Indian Bank as the duly authorised representative of a company unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the head office of the Indian Bank not less than four days before the date fixed for the meeting.

62. Proxies

- (i) No instrument of proxy shall be valid unless, in the case of an individual shareholder, it is signed by him or by his attorney duly authorised in writing, or in the case of joint holders, it is signed by the shareholder first named in the register or his attorney duly authorised in writing or in the case of the body corporate signed by its officer or an attorney duly authorised in writing:

Provided that an instrument of proxy shall be sufficiently signed by any shareholder, who is, for any reason, unable to write his name, if his mark is affixed thereto and attested by a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Government gazetted officer or an Officer of the Indian Bank.

- (ii) No proxy shall be valid unless it is duly stamped and a copy thereof deposited at the head office of Indian Bank not less than four days before the date fixed for the meeting, together with the power of attorney or other authority (if any) under which it is signed or a copy of that power of attorney or other authority certified as a true copy by a Notary Public or a Magistrate unless such a power of attorney or the other authority is previously deposited and registered with Indian Bank.
- (iii) No instrument of proxy shall be valid unless it is in Form 'B'.
- (iv) An instrument of proxy deposited with Indian Bank shall be irrevocable and final.
- (v) In the case of an instrument of proxy granted in favour of two grantees in the alternative, not more than one form shall be executed.
- (vi) The grantor of an instrument of proxy under this regulation shall not be entitled to vote in person at the meeting to which such instrument relates.
- (vii) No person shall be appointed as duly authorised representative or a proxy who is an officer or an employee of Indian Bank.

INDIAN BANK**FORM 'A'****SHARE TRANSFER FORM****(See sub-regulation (i) of regulation 17)**

FOR THE CONSIDERATION stated below the "Transferor(s)" named do hereby transfer to the "Transferee(s)" named the shares specified below subject to the conditions on which the said shares are now held by the Transferor(s) and the Transferee(s) do hereby agree to accept and hold the said shares subject to the condition aforesaid.

Full Name of Company
**Name of the recognised
Stock Exchange, where
Dealt in, if any,**
Description of Equity Shares**No. in figures****Number in words**
**Consideration
(in figures)**
**Consideration
(in words)**
Distinctive**From****Numbers****To**
**Corresponding
Certificate Nos.**

Transferor(s) (Seller(s))
Particulars
Name(s) in full

Regd. Folio No.

Signature(s)

1.-----

1.-----

2.-----

2.-----

3.-----

3.-----

4.-----

4.-----

ATTESTATION

I hereby attest the signature
 Of the Transferor(s) herein
 Mentioned

Signature

Name

Address / seal

Signature of Witness
Name and Address of Witness

 -----PIN-----

Transferee(s)
Name(s) in full

(Buyer(s)) Particulars

Signature(s)

1.-----

1.-----

2.-----

2.-----

3.-----

3.-----

Occupation	Address	Father's / Husband's Name
1.	-----	-----
2.	-----	-----
3.	-----	-----

Transferee(s) existing
Folio if any, in same
Order of Names-----

Value of
Stamps affixed Rs.-----

Dated this ----- day of ----- Two thousand -----
 ----- Place -----

Folio	Company Code
Specimen 1.-----	
Signature(s) 2.-----	
Of Transferee(s) 3.-----	

For office use only

Checked by:-----

Signature tallied by

Entered in Register of
 Transfer No.-----

Approval Date-----
 Instruction for attestation:

Attestation, where required (thumb impressions, marks, signature difference etc.) should be done by a Magistrate, Notary Public or Special Executive Magistrate or a similar authority holding a Public Office and authorised to use the seal of his office or a member of a recognised Stock Exchange through whom the shares are introduced or a manager of the Transferor's Bank.

NOTE: Names must be rubber stamped preferably in a straightline. Chronological order should be maintained. Broker's Clearing Number should be stated when delivery is given by a clearing Member Bank.

POWER OF ATTORNEY/PROBATE/DEATH CERTIFICATE	
LETTERS OF ADMINISTRATION	
Registered with the Company No.-----	Date-----
(Signature (not initials) of broker, Bank, Company or Stock Exchange Clearing House)	

Name of delivering
 Broker or Clearing
 Member

Date

LODGED BY:**FULL ADDRESS:****SHARE CERTIFICATE TO BE RETURNED
TO:**

(Fill in the name and address to which the
certificates are required to be returned)
Name & Address:

Share Transfer Stamps

INDIAN BANK
FORM 'B'
FORM OF PROXY

(See sub-regulation (iii) of regulation 70)

Folio No.-----

(To be filled in by the Shareholder)

I / We, resident of ----- in the district of -----
 -----in the State of -----being a
 shareholder / shareholders of the Indian Bank hereby appoint Sri -----
 -----resident of -----
 -----in the district of -----
 -----in the state of -----or failing him, Shri -----
 -----resident of -----
 -----in the district of -----in the State of -----
 ---as my / our proxy to vote for me / us and on my / our behalf at the meeting of
 the shareholders of the INDIAN BANK to be held on the -----day
 of -----20-----, and at any adjournment thereof.

Signed this -----day of -----20---

Name:-----

Address:-----

Affix required

Revenue Stamp

Sd. Illegible

General Manager

[ADVT. III/IV/290/2003/Exty.]